www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, गुरूवार
4 जून 2026
वर्षः 49
अंकः 42 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

दिल्ली में 6 मंजिला होटल में आग 21 की मौत

मालवीय नगर : मृतकों में विदेशी नागरिक भी शामिल, अधिकारी बोले: बिल्डिंग की फायर एनओसी नहीं थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मालवीय नगर के फ्लरिश स्टे होटल में बुधवार को आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 17 विदेशी नागरिक हैं। जो बांग्लादेश और अफ्रीकी देशों के हैं। दिल्ली फायर सर्विस और स्थानीय लोगों के मुताबिक, मालवीय नगर में मौजूद इस होटल के रेस्टोरेंट में सुबह 8.50 बजे आग लगी। आग ऊपरी मंजिलों पर बने कमरों और बेसमेंट तक पहुंच गई। चीफ फायर ऑफिसर अभिलाष मलिक ने कहा, फायर टीम ने यहां से 37 लोगों को बाहर निकाला। बिल्डिंग की फायर ठडउ नहीं थी। होटल में 25 कमरे हैं। वहीं, हादसे के वीडियो में कुछ लोग जान बचाने के लिए जलती हुई इमारत की तीसरी-चौथी मंजिल से कूदते नजर आ रहे हैं। इन्हें बचाने के लिए स्थानीय लोगों ने जमीन पर गद्दे भी बिछाए थे। बेसमेंट से भी 6 से ज्यादा लोगों को निकाला गया। 40 लोगों का रेस्क्यू किया गया है। कई लोगों की हालत गंभीर है। आग लगने की वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है। पिछले 6 महीनों में दिल्ली में आग की अलग-अलग घटनाओं

में 66 लोगों की मौत हो चुकी है।आग 6 मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर बने बी-एन-बी रेस्टोरेंट में लगी। कुछ देर बाद होटल में ऊपर की तरफ फैल गई। यह होटल दिल्ली के प्रेस एन्क्लेव रोड पर है। यहीं पर मैक्स हॉस्पिटल और AIIMS भी है। बताया जा रहा है कि इन अस्पतालों में इलाज कराने आने वालों के परिजन भी इस होटल में रुका करते थे। मैक्स अस्पताल के अधिकारी के मुताबिक कुल 39 लोगों को यहां लाया गया था। इनमें से 18 की पहले ही मौत हो चुकी थी। 5 लोगों को हल्की चोटें थीं। उन्हें डिस्चार्ज किया गया है। 15 लोग आईसीयू में एडमिट हैं, इनमें से 8 वेंटिलेटर पर हैं। जिनकी हालत गंभीर है। एक व्यक्ति बहुत ज्यादा झुलस गया था, उसे सफदरजंग अस्पताल रैफर किया गया है। वहीं, AIIMS में 13 लोगों का इलाज जारी है। इनमें 3 लोग वह हैं, जिन्होंने होटल के कमरों से जान बचाने के लिए छलांग लगाई थी। एक व्यक्ति पैर टूट गए हैं। दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर (LG) वीके सक्सेना शाम को सभी संबंधित अधिकारियों के साथ घटना का रिव्यू करने के लिए एक हाई-लेवल मीटिंग करेंगे। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने भी इस घटना के संबंध में गैर-इरादतन हत्या और भारतीय न्याय संहिता (BNS) की दूसरी संबंधित धाराओं के तहत FIR दर्ज की थी। मैक्स हेल्थकेयर ग्रुप के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संदीप बुद्धिराजा ने कहा कि डॉक्टर ने आगे कहा कि आग से बचने के लिए ऊपरी मंजिल से कूदने के कारण कई मरीजों को फ्रैक्चर हो गया। ज्यादातर मरीजों को हड्डियों और पेल्विक हड्डियों में फ्रैक्चर हुए। एक मरीज की रीढ़ की हड्डी में चोट है और उसकी न्यूरोसर्जरी हो रही है। मैक्स हेल्थकेयर ग्रुप के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संदीप बुद्धिराजा ने कहा कि आग में

रेस्क्यू के दौरान 10 पुलिसकर्मी भी घायल

दिल्ली पुलिस के अनुसार, मालवीय नगर अग्निकांड में बचाव अभियान के दौरान 10 पुलिसकर्मी भी घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें 5 हेड कांस्टेबल और 5 कांस्टेबल शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, ये सभी सबसे पहले इमारत के भीतर प्रवेश कर राहत और बचाव कार्य में जुटे थे। फिलहाल सभी पुलिसकर्मियों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

घायल हुए आठ मरीज अभी वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। उनमें से ज्यादातर को एस्फिक्सिएशन इंजरी हुई है, जो धुएं में सांस लेने से होती है। एक मरीज 25 परसेंट से ज्यादा जला है। उसे सफदरजंग हॉस्पिटल के बर्न वार्ड में शिफ्ट कर दिया। पांच मरीज स्टेबल हैं और उन्हें हल्की चोटें आई थीं। दिल्ली के होटल में आग लगने से मरने वालों में ज्यादातर लाइबेरिया, नाइजीरिया, मोजाम्बिक और बांग्लादेश के नागरिक हैं।अधिकारियों ने ये जानकारी दी। मालवीय नगर हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दुख जताया। उन्होंने कहा, 'दिल्ली के मालवीय नगर में आग लगने की घटना में लोगों की मृत्यु का समाचार बहुत पीड़ादायक है। मैं शोकाकुल परिवारों के प्रति गहन संवेदनाएं व्यक्त करती हूं और घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

डीके शिवकुमार बने कर्नाटक के नए सीएम

पूर्व प्रधानमंत्री से लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता आमंत्रित

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन के बीच डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली । शपथ ग्रहण समारोह की शुरूआत वंदे मातरम् के साथ हुई। सिद्धारमैया के बाद अब डीके शिवकुमार कर्नाटक के मुख्यमंत्री बने हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जी. परमेश्वर ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण ली। राज्यपाल ने दोनों नेताओं को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के अलावा मंत्रिपरिषद के विस्तार के तहत 12 अन्य नेताओं को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई जा रही है। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे डॉ. यतींद्र सिद्धारमैया का नाम भी शामिल है। सिद्धारमैया ने 28 मई को सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी तथा कांग्रेस विधायक दल के नेता डीके शिवकुमार लोक भवन पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, भावी मुख्यमंत्री शिवकुमार और पूर्व गृह मंत्री जी परमेश्वर, खरगे व राहुल गांधी का बंगलूरू में स्वागत किया। शपथ ग्रहण समारोह से पहले, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बनने वाले डीके शिवकुमार ने अपनी मां गौराम्मा का आशीर्वाद लिया था।

भारत ने युगांडा को भेजी 43 टन चिकित्सा सहायता

अफ्रीका सीडीसी ने जताया आभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने मंगलवार को युगांडा में फैले इबोला वायरस के प्रकोप से निपटने के लिए आपातकालीन चिकित्सा सहायता भेजी। यह सहायता भारतीय वायु सेना के सी-17 ग्लोबमास्टर-क्कक्कविमान के जरिए युगांडा पहुंचाई गई। भारतीय वायु सेना ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस अभियान की जानकारी दी। वायु सेना ने कहा कि यह मिशन मानवीय संकट के समय त्वरित सहायता पहुंचाने की भारत की क्षमता को दशार्ता है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह सहायता अफ्रीकी संघ आयोग के अनुरोध पर अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (अफ्रीका सीडीसी) को उपलब्ध कराई गई है। इसका उद्देश्य अफ्रीका के प्रभावित क्षेत्रों में इबोला नियंत्रण प्रयासों को मजबूत करना है। मंत्रालय ने बताया कि 24 मई को लगभग 2.5 टन चिकित्सा सामग्री की पहली खेप युगांडा की राजधानी कंपाला भेजी गई थी। इसमें सुरक्षा उपकरण, स्वास्थ्य निगरानी उपकरण, आवश्यक दवाएं और पोषण संबंधी सामग्री शामिल थी। अफ्रीका सीडीसी से सामान की सूची मिलने के बाद भारत ने दूसरी और बड़ी खेप तैयार की।

टीएमसी में बड़ी टूट: बागी गुट ने ऋतब्रत को चुना नेता विपक्ष

दीदी को मुख्य सलाहकार पद का प्रस्ताव

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस के भीतर जारी घमासान अब और तेज हो गया है। निष्कासित और निलंबित नेताओं के बयानों ने पार्टी के अंदर बड़े विभाजन के संकेत दे दिए हैं। टीएमसी के बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी ने दावा किया है कि विधानसभा स्पीकर ने उनके 58 विधायक दल वाले गुट की दावेदारी स्वीकार कर ली है। उन्हें इस विधायक दल ने नेता विपक्ष के तौर पर चुना है।ऋतब्रत बनर्जी ने कहा कि उनका गुट ममता बनर्जी को पत्र लिखकर इस गुट के दल का मुख्य सलाहकार बनने का अनुरोध करेगा। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि ममता बनर्जी पार्टी को मार्गदर्शन देती रहें।

दूसरी तरफ निष्कासित टीएमसी नेता संदीपन साहा ने भी दावा किया कि नेता विपक्ष का कमरा आधिकारिक तौर पर आवंटित हो चुका है। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि बागी गुट अब खुद को विधानसभा के अंदर असली टीएमसी विधायक दल के रूप में पेश कर रहा है।ऋतब्रत ने यह भी कहा कि मैंने पार्टी में बात करने की कोशिश की तो पहले तीन दिन तो मुझे घुसने ही नहीं दिया गया। भ्रष्टाचार इस चुनाव का अहम मुद्दा रहा। बार-बार बोलने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई, जबकि सबूत थे। फिर बोला गया कि चुनाव

क्या बंगाल की राजनीति में बदलेंगे समीकरण?

माना जा रहा है कि अगर बागी गुट मजबूत होता है तो बंगाल विधानसभा के अंदर शक्ति संतुलन बदल सकता है। टीएमसी के भीतर यह टकराव आने वाले दिनों में और बड़ा रूप ले सकता है। भाजपा भी इस पूरे घटनाक्रम पर करीबी नजर बनाए हुए है और इसे टीएमसी की अंदरूनी कमजोरी के तौर पर देख रही है।

के बाद कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। अभिषेक बनर्जी चोरों की तरह पिटने के बाद बोले कि आवाम उनकी सुरक्षा करेगी। फिर उनकी तरफ से सुरक्षा के लिए चिट्ठी लिखी गई। टीएमसी के भीतर अब खुलकर दो धड़े दिखाई दे रहे हैं। एक तरफ ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी का आधिकारिक गुट है, जबकि दूसरी तरफ बागी विधायक हैं जो खुद को असली विधायक दल बता रहे हैं। ऋतब्रत बनर्जी ने दावा किया कि उनके साथ 58 विधायक हैं और दो अन्य विधायक भी जल्द जुड़ सकते हैं। संदीपन साहा ने सीधे तौर पर अभिषेक बनर्जी की कार्यशैली को पार्टी की मौजूदा हालत के लिए जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि अगर कोई नेता सफलता का श्रेय लेता है तो उसे हार और संकट की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। इससे पहले भी कई बागी नेता अभिषेक बनर्जी की रणनीति और संगठन संचालन पर सवाल उठा चुके हैं। टीएमसी नेता कुणाल घोष ने बागी गुट के दावों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि निष्कासित विधायक नेता विपक्ष नहीं बन सकते। कुणाल घोष ने कहा कि दोनों पक्षों की ओर से अलग-अलग पत्र दिए गए हैं और कई विधायकों के हस्ताक्षर दोनों पत्रों में हैं। उन्होंने कहा कि मामले की कानूनी और संसदीय जांच होगी और अंतिम फैसला पार्टी नेतृत्व ही करेगा।

विदेश मंत्रालय ने की कुवैत एयरपोर्ट पर हमले की निंदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने आज कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमले की निंदा की है। इस हमले में एक भारतीय की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं। मंत्रालय ने कहा, हम कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हमले की निंदा करते हैं, जिसमें एख भारतीय की मौत हो गई और हमारे कई अन्य नागरिक घायल हुए हैं। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से हम मजबूती से यह अपील करते रहे हैं कि नागरिक आबादी और नागरिक ढांचे को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। हम एक बार फिर सभी पक्षों ऐसे हमलों को रोकने की अपील करते हैं। विदेश मंत्रालय ने मृतक के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। साथ ही बताया कि कुवैत स्थित भारतीय दूतावास घायलों को हरसंभव मदद दे रहा है और स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। इसने यह भी कहा कि पूरे क्षेत्र में भारतीय मिशन अलर्ट पर हैं और भारतीय समुदाय की सहायता के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

अहमदाबाद में 166 बांग्लादेशी पकड़े गए: 300 से ज्यादा संदिग्ध हिरासत में लिए गए

अहमदाबाद (एजेंसी)। क्राइम ब्रांच ने अवैध घुसपैठ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए शहर के तीन इलाकों से 300 से ज्यादा संदिग्धों को हिरासत में लिया है। जांच में 166 बांग्लादेशी पाए गए हैं, जबकि अन्य संदिग्धों के डॉक्यूमेंट्स की जांच की जा रही है। 2 जून की रात चलाए गए अभियान में अहमदाबाद पुलिस और क्राइम ब्रांच ने चंडोला, गुलाबनगर और खोडियारनगर क्षेत्रों में कार्रवाई की थी। हिरासत में लिए गए सभी लोगों को क्राइम ब्रांच कैंपस में रखा गया है। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने बताया कि चंदोला इलाके में लगातार चल रहे

अभियानों के कारण बड़ी संख्या में अवैध निवासी एक जगह टिकने से बच रहे हैं। वे पहचान बदलकर शहर के अलग-अलग इलाकों में किराए के मकानों, झुग्गी-झोपड़ियों, होटलों, कामगार आवासों और व्यावसायिक स्थानों में रह रहे हैं। इसलिए पूरे शहर में एक साथ तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। अवैध प्रवासियों को पकड़ने की कार्रवाई लंबी चलने वाली है। पूछताछ में कुछ बांग्लादेशियों ने कबूल किया है कि वे यहां कमाए गए पैसे बांग्लादेश में रहने वाले परिवार को कैश में भेजते थे। इसके लिए वे दलालों का सहारा लेते थे। पहले पैसे कोलकाता भेजे जाते थे, वहां से बांग्लादेश पहुंचते थे। यह भी पता चला है कि कुछ मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए भी पैसे भेजे जा रहे थे। पुलिस इन दलालों की तलाश में जुटी है। साइबर क्राइम की टीमें भी मोबाइल से मिले एप्लीकेशंस की जांच कर रही हैं। क्राइम ब्रांच जेसीपी शरद सिंघल ने बताया कि जब टीमें ओधव इलाके के क्रिस्टल कॉम्प्लेक्स पहुंचीं तो कुछ स्पा सेंटरों में अफरा-तफरी मच गई थी।

भारत समेत दुनियाभर में 3 महीने तक सूखे की आशंका

केंद्र का निर्देश: राज्य तुरंत एक्शन प्लान लागू करें, 2 सिस्टम बने तो ही बारिश की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल में भारत समेत दुनियाभर में सूखे की आशंका है। भारतीय मौसम विभाग के बाद विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) ने मंगलवार देर रात वैश्विक जलवायु को लेकर चेतावनी जारी की है। संयुक्त राष्ट्र (UN) की इस मौसम एजेंसी के मुताबिक, प्रशांत महासागर में तेजी से गर्म हो रहे समुद्री जल के कारण जून से अगस्त के बीच अल नीनो बनने की आशंका 80% है। नवंबर तक इसके 90% या उससे ज्यादा बने रहने की आशंका है। इन सबके बावजूद भारत में 2 एक्टिव सिस्टम यानी इंडियन ओशन डायपोल

(IOD) और मैडेन-जूलियन ऑस्सिलेशन (MJO) से मानसून बच सकता है। ये बादलों और हवाओं का एक ऐसा वैश्विक सिस्टम है तो मूमध्य रेखा पर घूमता रहता है। जब यह भारत के ऊपर से गुजरता है, तो कमजोर मानसून में भी भारी बारिश के स्पेल (दौर) लेकर आता है। मौसम विभाग के मुताबिक देश में मानसून के दौरान सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। दक्षिण-पश्चिम मानसून अभी लेट है। इसके 4 जून को केरलम पहुंच सकता है। आमतौर पर मानसून 1 जून के आसपास केरलम पहुंचता है। WMO के मुताबिक, अल नीनो आगे चलकर और मजबूत हो सकता है। इससे भारत समेत दुनियाभर में सूखा, बाढ़, समुद्री-स्थलीय हीटवेव और मौसम के खतरनाक रूप देखने को मिल सकते हैं। इस बीच कृषि मंत्रालय ने राज्यों और संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया है कि सामान्य से कम मानसून और अल नीनो की आशंका को देखते हुए जिलास्तर पर प्लान लागू करें। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि साथ ही किसानों तक जल्दी जानकारी पहुंचाने के लिए डिजिटल और कॉल सेंटर सेवाओं को मजबूत करें। प्रशांत महासागर के भूमध्यरेखीय क्षेत्र में जब समुद्री हवाएं कमजोर पड़ती हैं, तो दक्षिण अमेरिकी तट का पानी असामान्य रूप से गर्म होने लगता है। समुद्र के पानी के गर्म होने को अल नीनो कहते हैं। यह वैश्विक हवाओं और बादलों के पैटर्न को बदलकर दुनियाभर के मौसम को तहस-नहस कर देता है। हटड के वैज्ञानिकों के मुताबिक, प्रशांत महासागर की सतह के नीचे का पानी सामान्य से 6°C तक ज्यादा गर्म मिला है। यह चिंताजनक है। समुद्र में जमा यही अतिरिक्त ऊष्मा सतह को गर्म कर रही है, जिससे अलनीनो को रफ्तार मिल रही है।

नारसन बॉर्डर पर अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

रुड़की। तहसील प्रशासन ने बुधवार को पुलिस के साथ संयुक्त रूप से नारसन बॉर्डर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे अतिक्रमण के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान सड़क किनारे किए गए अस्थायी अतिक्रमण हो हटाया गया। कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने अतिक्रमण करने वालों को चेतावनी देते हुए जल्द कब्जा हटाने के निर्देश दिए। प्रशासनिक कार्रवाई से अतिक्रमण करने वालों में हड़कंप मचा रहा। चारधाम यात्रा सीजन पूरे चरम पर है। हजारों की संख्या में अन्य राज्यों के वाहन प्रतिदिन प्रदेश में प्रवेश कर रहे हैं। नारसन बॉर्डर प्रदेश का प्रवेश द्वार है। जिसके यहां सबसे ज्यादा यातायात नजर आता है और अतिक्रमण के चलते यहां हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। बुधवार को जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश पर अपर तहसीलदार रुड़की शुभांगिनी के नेतृत्व में प्रशासनिक, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण व पुलिस टीम नारसन बॉर्डर पर पहुंची और जेसीबी की मदद सड़क किनारे लगाए अस्थायी ढांचे, टीन शेड, खोखे और अन्य अवरोधों को हटाया। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने अतिक्रमणकारियों के बीच नोकझोंक भी हुई, लेकिन अधिकारियों ने एक न सुनी और अभियान को जारी रखा। यही नहीं प्रशासन की ओर से मौके पर लाउडस्पीकर के माध्यम से घोषणा कर स्थायी अतिक्रमण करने वालों को स्वयं कब्जे हटाने को कहा गया।

जांच में पनीर के नमूने में मिला डिटर्जेंट

उत्तरकाशी। खाद्य सुरक्षा व्यवस्था पर उस समय गंभीर सवाल खड़े हो गए जब प्रयोगशाला जांच में पनीर के एक नमूने में डिटर्जेंट मिला। जांच रिपोर्ट में नमूने को असुरक्षित घोषित किए जाने के बाद जिला कांग्रेस कमेटी ने मामले को जनता के स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर अपराध बताया है। कांग्रेसियों ने दोषियों के खिलाफ तत्काल उचित कार्रवाई की मांग की है।बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप सिंह रावत के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी से मुलाकात कर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तराखंड के आयुक्त के नाम ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यदि रोजमर्रा की खाद्य सामग्री में डिटर्जेंट जैसी खतरनाक मिलावट पाई जा रही है तो यह पूरे खाद्य सुरक्षा तंत्र की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।ज्ञापन में बताया गया कि पूर्व जिलाध्यक्ष युवा कांग्रेस सुधीश पंवार की ओर से जांच के लिए उपलब्ध कराए गए पनीर के नमूने की प्रयोगशाला रिपोर्ट में डिटर्जेंट की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार यह नमूना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 व भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के निर्धारित मानकों के अनुरूप नही पाया गया (

सिंगल विंडो समिति की 65वीं बैठक में निवेश प्रस्तावों पर हुई चर्चा

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में बुधवार को सचिवालय में सिंगल विंडो के अंतर्गत निवेश से सम्बन्धित राज्य स्तरीय अधिकार प्राप्त समिति की 65वीं बैठक आयोजित हुयी। बैठक के दौरान प्रदेश में निवेश से सम्बन्धित डीजी एवं आयुक्त उद्योग द्वारा स्वीकृत नए प्रस्तावों संस्तुति प्रदान की गयी। मुख्य सचिव ने जनपद स्तर पर 143 (लैंड यूज चेंज) और 154 से सम्बन्धित विभिन्न मामलों के निस्तारण में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को सिंगल विंडो से सम्बन्धित प्रकरणों में प्रोएक्टिव होकर निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने सचिव उद्योग को भी देरी पर सम्बन्धित से स्पष्टीकरण मांगे जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सिंगल विंडो से मिलने वाली स्वीकृतियों के लिए समय सीमा निर्धारित है। इसके अंतर्गत ही सभी स्वीकृतियां और क्लीयरेंस दी जानी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस उद्देश्यों की पूर्ति के लिए प्रथम एवं और द्वितीय चरण के सभी लम्बित प्रकरणों को शीघ्र से शीघ्र निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर सचिव विनय शंकर पाण्डेय, डॉ. वी. षणमुगम, सी. रविशंकर, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते, अपर सचिव सौरभ गहरवार सहित सम्बन्धित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

तीर्थाटन से पर्यटन में बदल रही चारधाम यात्रा

देहरादून। दून लाइब्रेरी एंड रिसर्च सेंटर की ओर से बुधवार को 'चार धाम यात्राः बदलता पर्यटन स्वरूप' विषय पर एक विशेष सचित्र व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता पत्रकार संदीप गुसाईं ने सजीव छायाचित्रों के माध्यम से ऋषिकेश से बदरीनाथ के पुराने पैदल यात्रा मार्ग और गंगा घाटी की वर्तमान चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। संदीप गुसाईं ने बताया कि जब सड़क मार्ग नहीं थे, तब ऋषिकेश से बदरीनाथ की दूरी तय करने में करीब एक महीना लगता था और मार्ग में 84 चट्टियां (रात्रि विश्राम पड़ाव) हुआ करती थीं। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ऑल वेदर रोड और ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल प्रोजेक्ट के कारण पूरी गंगा घाटी पर भारी पर्यावरणीय दबाव बढ़ गया है। अत्यधिक पर्यटकों, होटल–रिजॉर्ट्स, राफ्टिंग और कैंपिंग के चलते गंगा के पूरे ईकोसिस्टम और वन्यजीवों पर बुरा असर पड़ रहा है। पुरानी चट्टियां अब खंडहर बन चुकी हैं और अनियोजित विकास के कारण कई गांवों के मकानों में दरारें आ रही हैं। लगातार बढ़ता व्यावसायिक पर्यटन अब मूल तीर्थाटन की परंपरा को खत्म कर रहा है। इस मौके पर चन्द्रशेखर तिवारी, कल्याण सिंह रावत, रेखा उनियाल धस्माना, कल्याण बुटोला, देवेन्द्र कुमार, राजू गुंसाई, सुरेन्द्र सजवाण, डॉ.डी.के. पांडेय, डा. योगेश धस्माना, डॉ.लालता प्रसाद आदि मौजूद रहे।

सेंट जार्ज कालेज में वार्षिक मेला धूमधाम से मनाया

देहरादून। सेंट जॉर्ज कॉलेज में वार्षिक मेले का आयोजन धूमधाम से किया गया। मेले में स्कूल के विद्यार्थियों ने गायन, नृत्य और बैंड परफॉर्मेंस से सबका मन मोह लिया। आईटीबीपी के जवानों के बैंड परफॉर्मेंस ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। सेंट जार्ज कालेज वार्षिक मेले में मुख्य अतिथि आईटीबीपी अकादमी के निदेशक आईजी गिरीश चंद्र उपाध्याय ने रिबन काटकर मेले का शुभारंभ किया। विद्यालय की ओर से उन्हें पौधा और स्कूल का स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। मेले का मुख्य आकर्षण लकी ड्रॉ के बम्पर पुरस्कार थे। प्रथम पुरस्कार कार विजेता कक्षा 6 ब के विराज पटेल को मिली। दूसरे पुरस्कार के रूप में विद्यालय की अध्यापिका चित्रा रानी को बाइक मिली। आइफोन 17 प्रो विद्यालय की ही अध्यापिका गीतिका खन्ना को मिला। चौथे पुरस्कार के रूप में उप–प्रधानाचार्य ब्रदर सिलवेनुस को एक्टीवा मिला। पांचवें पुरस्कार के रूप में कक्षा 11 कॉमर्स के रौनव गुप्ता को टीवी, छठा पुरस्कार कक्षा नौ ब के सचेत गोयल को एप्पल मैक बुक दी गई। सातवां पुरस्कार कक्षा 6 अ के तनव केयाल को कैमरा, आठवां पुरस्कार कक्षा 5 अ के प्रीक्षित रावत को आइपैड, नवां पुरस्कार के विद्यालय के ही अध्यापक अरविंद सिंह को मोबाइल प्राप्त हुआ। प्रधानाचार्य ब्रदर जयसीलन ने विजेताओं को बधाई दी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ब्रदर जयसीलन, उप–प्रधानाचार्य ब्रदर सिल्वानुस करकैटा, सुपीरियर ब्रदर ब्रिटो, अभिभावक, शिक्षकगण व छात्र उपस्थित रहे।

फिट इंडिया अभियान के तहत योग शिविर शुरू

उत्तरकाशी। फिट इंडिया अभियान के तहत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की ओर से स्वास्थ्य व योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजकीय बालिका इंटर कॉलेज परिसर में योग शिविर का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य एके तिवारी ने बताया कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। फिट इंडिया प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोजित शिविर में योग प्रशिक्षक प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन व प्राणायाम का अभ्यास कराएंगे। महाविद्यालय प्रशासन ने छात्र–छात्राओं, शिक्षकों, अभिभावकों व आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील की है।

कुंवा खेल मैदान में मीडियम पेसर टैलेंट हंट ट्रायल

उत्तरकाशी। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के निर्देश पर जिला क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से कुंवा खेल मैदान में अंडर–19, अंडर–23 व सीनियर वर्ग के खिलाड़ियों के लिए मीडियम पेसर टैलेंट हंट ट्रायल आयोजित किया गया। ट्रायल में क्षेत्र के युवाओं ने अपनी गेंदबाजी कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। ट्रायल के दौरान चयनकर्ता पवन पाल ने खिलाड़ियों की गेंदबाजी की गति, लाइन, लेंथ और नियंत्रण का बारीकी से परीक्षण किया। इस मौके पर इस अवसर पर महावीर सिंह, सुनील सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पछुवादून में मानसून से पहले नहीं हुए सुरक्षा इंतजाम

विकासनगर। मानसून के दौरान पछुवादून में हर साल नदियां और बरसाती गदेरे कहर बरपाती हैं। हालांकि प्रशासन बरसात के नुकसान को कम करने के लिए हर साल बाढ़ सुरक्षा चौकियां खोलता है, लेकिन इन चौकियों पर मानव संसाधन के साथ ही आवश्यक संसाधन नहीं जुटाए गए हैं। 45497 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली पछुवादून तहसील में यमुना, आसन, शीतला, रवासन, स्वारना के साथ ही चार दर्जन से अधिक बरसाती खाले हैं जो हर बरसात में उफान पर आ जाते हैं। इस मानसून सीजन में भी पछवादून प्रशासन ने अब तक कोई तैयारी शुरू नहीं की गई है। यहां हर बरसात में बरसाती नालों का पानी बस्तियों में घुस जाता है जिससे बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो जाती है।वहीं यमुना, शीतला, आसन, स्वारना, रवासन का पानी भी पूर्व में कई बस्तियों में घुस कर कहर बरपा चुका है।

वन पंचायतों में गैर काष्ठीय वन उपज और हर्बल पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर

अल्मोड़ा। जनपद की वन पंचायतों में गैर काष्ठीय वन उपज के विकास तथा हर्बल एवं अरोमा पर्यटन परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने संबंधित विभागों को क्लस्टर आधारित मॉडल पर कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि योजना के माध्यम से ग्रामीणों, विशेषकर युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार और स्थायी आजीविका के अवसर सृजित किए जाएं। मंगलवार को आयोजित क्लस्टर स्तरीय निगरानी समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि वन पंचायतों का चयन और गतिविधियों का संचालन ऐसी योजना के तहत किया जाए, जिससे स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सके और अधिकतम लोगों को लाभ मिले।

उन्होंने कहा कि जिले में उपलब्ध वन संपदा तथा औषधीय एवं सगंध पौधों की प्रचुरता को स्थानीय आर्थिक विकास से जोड़ना आवश्यक है। इसके लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए परियोजना को परिणामोन्मुख और

जनहितकारी बनाना होगा। उन्होंने स्थानीय उत्पादों को पहचान दिलाने और उनके लिए बाजार उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी दीपक सिंह ने बताया कि गैर काष्ठीय वन उपज विकास तथा हर्बल एवं अरोमा पर्यटन परियोजना राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इसका उद्देश्य वन पंचायतों में औषधीय और सगंध पौधों के उत्पादन को बढ़ावा देकर स्थानीय लोगों को आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि यह परियोजना वर्ष 2023–24 से शुरू की गई है और वर्ष 2033–34 तक संचालित रहेगी।

श्रद्धालुओं को भा रहा खरसाली का साढ़े चार मंजिला शनिदेव मंदिर

उत्तरकाशी। यमुनोत्री धाम के शीतकालीन गद्दीस्थल खरसाली गांव में स्थित पौराणिक शनिदेव मंदिर चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। हर वर्ष यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है लेकिन मंदिर परिसर में पानी और शौचालय की व्यवस्था नहीं है।लकड़ी और पत्थरों से निर्मित करीब साढ़े चार मंजिला प्राचीन मंदिर अपनी विशिष्ट वास्तुकला और धार्मिक महत्व के कारण देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। व्यापक प्रचार–प्रसार के बाद अब मंदिर यमुनोत्री यात्रा का प्रमुख पड़ाव बन चुका है। बावजूद इसके यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं के लिए तरसना पड़ता है।स्थानीय लोगों का कहना है कि

मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए पानी और शौचालय की सुविधा नहीं है। खासकर महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। यमुनोत्री मंदिर समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल, आशुतोष उनियाल और पूर्व सचिव सुरेश उनियाल ने कहा कि सदियों पुराना शनिदेव मंदिर क्षेत्र की महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर है।

कांग्रेस ने सीबीएसई क्षेत्रीय कार्यालय पर किया धरना– प्रदर्शन

देहरादून। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सीबीएसई परीक्षा कॉपी मामले व यूईटी परीक्षा में गड़बड़ी मामले में केंद्र सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। नीट परीक्षा पेपर लीक व सीबीएसई परीक्षा कापी जांच घोटाला व सीयूईटी परीक्षा में गड़बड़ी के मुद्दे पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करने की मांग को लेकर बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कौलागढ़ स्थित सीबीएसई क्षेत्रीय कार्यालय पर प्रदर्शन किया। धस्माना का बयानः उन्होंने कहा कि देश में लाखों युवाओं के भविष्य को केंद्र की भाजपा सरकार ने खतरे में डाल दिया है और नीट परीक्षा लीक , सीबीएसई परीक्षा में व्यापक धांधली व सीयूईई परीक्षा में गड़बड़ी ने यह साबित कर दिया है कि केंद्र की भाजपा सरकार इस देश के युवा के भविष्य को अंधकार में धकेल रही है । गोगी का बयानः महानगर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि भाजपा राज में शिक्षा का बाजारीकरण हुआ है, लेकिन साथ ही शिक्षा को अब दलालों व घोटालेबाजों के हाथ का खिलौना बना दिया गया है।

सट्टेबाजों की 86 अवैध वेबसाइट एसटीएफ ने की ब्लॉक

देहरादून। उत्तराखंड गैंबलिंग ला के तहत सख्त कदम उठाते हुए एसटीएफ ने 86 अवैध सट्टेबाजी वेबसाइटों को ब्लॉक करा दिया। राज्य में सट्टा और जुआ खेलने या खिलाते पकड़े जाने वालों पर सीधे जेल की कार्रवाई होगी। एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोर्चों पर सट्टेबाजों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। नए गैंबलिंग कानून के तहत अब यदि कोई व्यक्ति डिजिटल माध्यम या मोबाइल ऐप पर सट्टेबाजी का नेटवर्क या सिंडिकेट चलाता है, तो उसे तीन से पांच साल तक की जेल और 2 से 10 लाख रुपये तक का जुर्माना चुकाना होगा। वही अवैध जुआ घर संचालित करने या उनकी फंडिंग करने वाले अपराधियों को पांच साल तक की कैद और एक लाख रुपये जुर्माने की सजा मिलेगी। नए कानून के तहत पुलिस को विशेष अधिकार दिए गए हैं।

कैमाड़ा बुग्याल में दो दिवसीय जखोली मेले का बुधवार को आगाज

विकासनगर। जौनसार बावर के कैमाड़ा बुग्याल में दो दिवसीय जखोली मेले का बुधवार को आगाज हुआ। पहले दिन सैकड़ों लोग मेला स्थल पर पहुंचे। मैंद्रथ मंदिर से प्रवास पर निकले बाशिक महासू महाराज दो दिनों तक कैमाड़ा में ही विराजमान रहेंगे। मेले के पहले दिन लोक संस्कृति की बयार बही। पर्यटकों ने भी मेले का जमकर आनंद लिया, जबकि दूर–दराज से आए लोगों ने बाशिक महासू महाराज की देव पालकी को कांधा लगाकर धार्मिक परंपरा का निर्वहन किया। देवदार के घने जंगल के बीच कैमाड़ा बुग्याल में आयोजित दो दिवसीय जखोली मेले के पहले दिन जौनसार–बावर, उत्तरकाशी, टिहरी, हिमाचल प्रदेश से लोग जखोली मनाने पहुंचे।यहां हर साल मेले में बाशिक महासू महाराज की देव पालकी श्रद्धालुओं को दर्शन देने पहुंचती है। बुधवार को मेले में आए हजारों लोगों ने बाशिक महाराज की पालकी पर पुष्प वर्षा कर परंपरागत तौर से स्वागत किया। मेले में देर शाम तक लोक संस्कृति के अनूठे रंग देखने को मिले। मेले में युवाओं के उत्साह के साथ ही पुरानी पीढ़ी की परंपराएं भी बदस्तूर निभाई गई।

बागेश्वर में एक करोड़, 67 लाख से बनेगी सड़क

बागेश्वर। कपकोट के अंतर्गत करूली में राज्य योजना के तहत एक करोड़, 67 लाख 47 हजार की लागत से करूली बैंड से गाजली–बिजोरिया तक सड़क बनेगी। क्षेत्रीय विधायक सुरेश गड़िया ने पूजा अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। विधायक गड़िया ने कहा कि यह मोटर मार्ग क्षेत्र की वर्षों पुरानी मांग को पूर्ण करने के साथ–साथ स्थानीय ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा प्रदान करेगा। विकास के नए द्वार खोलेगा। सड़क निर्माण से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं रोजगार से जुड़े कार्यों को भी गति मिलेगी। इस महत्वपूर्ण परियोजना का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कर इसे जनसेवा हेतु समर्पित किया जाएगा। जनहित और क्षेत्रीय विकास के लिए हमारा संकल्प निरंतर इसी प्रकार आगे बढ़ता रहेगा। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख बागेश्वर दीपा देवी, मंडल अध्यक्ष देवल चौरा भूपेश फर्त्याल, ग्राम प्रधान हरीश चौहान, ग्राम प्रधान करुली चंदन खेतवाल, नैन सिंह, हरीश चंद्र, पंकज खेतवाल, दिनेश गड़िया, पूरन सिंह खेतवाल आदि मौजूद रहे।

रुद्रपुर क्षेत्र में गौना नदी पर नहीं बन पाया पुल

विकासनगर। रुद्रपुर क्षेत्र में गौना नदी पर पुल का निर्माण न होना भी करीब दस हजार की आबादी के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार बरसात शुरू होते ही गोना नदी का जलस्तर बढ़ जाता है और आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है। पुल न होने के कारण करीब दस हजार की आबादी को हर वर्ष तीन महीने तक भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। विकासनगर कस्बे को रुद्रपुर क्षेत्र के सोरना, डोभरी, बड़वा, गोडरिया, होरावाला, रजौली, कोठड़ा, कोटी, ढलानी आदि गांवों को जोड़ने वाले रुद्रपुर–डोभरी मार्ग पर बरसाती गौना नदी पड़ती है। बरसात के तीन माह नदी का उफान पर रहती है। क्षेत्रवासी अरविंद सोलंकी, मोहर सिंह, नकलीराम, इंतखाब आलम, प्रमोद कुमार, रोशनी नेगी, संतोष कुमार ने बताया कि उनकी सुनवाई नही हो रही है।

निर्माण कार्य के चलते स्वास्थ्य सेवाएं चरमराईं

उत्तरकाशी। रवांई घाटी के एकमात्र उपजिला चिकित्सालय पुरोला में भवन निर्माण कार्य के चलते स्वास्थ्य सेवाओं में अव्यवस्थाएं देखने को मिल रही है।

पुराने भवनों के ध्वस्तीकरण और नए निर्माण के कारण अस्पताल प्रशासन और मरीजों दोनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल परिसर में पुराने भवनों को तोड़े जाने के बाद वर्तमान में लगभग सभी स्वास्थ्य सेवाएं एक ही मुख्य भवन से संचालित की जा रही है। इसके चलते ओपीडी, अल्ट्रासाउंड, एक्स–रे, पैथोलॉजी जांच, दंत चिकित्सा, आयुर्वेदिक उपचार, दवा वितरण और ऑपरेशन संबंधी सेवाएं एक ही भवन में संचालित होने से भीड़ बढ़ रही है।

अस्पताल में प्रतिदिन 300 से 350 मरीजों का ओपीडी पंजीकरण होने से उपलब्ध भवन और वार्ड मरीजों की संख्या के मुकाबले काफी कम पड़ रहे है। उपजिला चिकित्सालय के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. मनोज असवाल ने बताया कि नए भवनों के निर्माण और पुराने भवनों के ध्वस्तीकरण के कारण फिलहाल सभी सेवाएं एक ही भवन में संचालित की जा रही है।

आईएचआरसी की बैठक में लिए गए अहम निर्णय

बागेश्वर। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (आईएचआरसी) उत्तराखंड की एक महत्वपूर्ण बैठक गरुड़ स्थित होटल वीर पैलेस में आयोजित की गई, जिसमें संगठन के विस्तार, जनहित एवं मानवाधिकार संरक्षण से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान से पहुँची राष्ट्रीय महासचिव डॉ. मीनाक्षी शर्मा उपस्थित रहीं। उनके संबोधन ने उपस्थित सदस्यों में मानवाधिकारों की रक्षा के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया।

बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. मीनाक्षी शर्मा ने घोषणा की कि गरुड़ क्षेत्र में शीघ्र ही ह्लजनसुनवाई केंद्रह्व की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों का उद्देश्य आम नागरिकों की मानवाधिकार संबंधी समस्याओं को सुनना, उन्हें शासन–प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना तथा उनके त्वरित समाधान हेतु आवश्यक प्रयास करना होगा। इस पहल से क्षेत्र के लोगों में नई आशा का

संचार हुआ है, क्योंकि अब उन्हें अपनी समस्याओं के समाधान के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध होगा।उन्होंने कहा कि मानवाधिकार केवल संवैधानिक अधिकार नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के सम्मानपूर्ण जीवन का आधार हैं। संगठन का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय, समानता और अधिकारों की पहुंच सुनिश्चित करना है। इसी उद्देश्य को लेकर आयोग लगातार जनजागरण, सहायता और सामाजिक न्याय के लिए कार्य कर रहा है। बैठक के दौरान संगठनात्मक ढांचे को अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए। यह घोषणा की गई कि जनसुनवाई केंद्रों में पूर्व में नियुक्त पदों को निरस्त करते हुए नए पदाधिकारियों एवं सदस्यों की नियुक्ति की जाएगी। संगठन के विस्तार और उसकी कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए शीघ्र ही नई कार्यकारिणी एवं सदस्यों की घोषणा की जाएगी। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने मानवाधिकार संरक्षण, सामाजिक न्याय तथा जनहित के मुद्दों को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि समाज में जागरूकता, शिक्षा, कानूनी सहायता और जनभागीदारी के माध्यम से ही मानवाधिकारों की प्रभावी रक्षा संभव है। संगठन आने वाले समय में विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और जागरूकता अभियानों का संचालन भी करेगा। बैठक में दीवान नेगी, चंद्रशेखर बड़सीला, एडवोकेट जगदीश आर्या, अनिल पांडे, जगदीश पांडे, कृष्णा गड़िया, दिनेश नेगी, लक्ष्मण कुमार एवं अर्जुन राणा सहित अनेक गणमान्य सदस्यों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया।

संक्षिप्त समाचार

महिला पर हाथी ने किया हमला, घायल

हाथी के हमले में घायल सरोज देवी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लैंसडौन वन प्रभाग क्षेत्र के अंतर्गत दुगड्डा रेंज रामणी पुलिंडा क्षेत्र में हाथी ने एक महिला पर हमला कर दिया। घायल महिला को उपचार के लिए राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार पहुंचाया गया है।

जानकारी के अनुसार, रामणी पुलिंडा निवासी महिला सरोज देवी पत्नी सुनील दोपहर के समय जंगल घास काटने के लिए गई हुई थी। इसी दौरान झाड़ियों से निकलकर आए हाथी ने अचानक उनपर हमला कर दिया। सरोज देवी ने हाथी को देख शोर मचाना शुरु कर दिया। जिसके बाद हाथी वापस जंगल की ओर भाग गया। इसके बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने 108 की मदद से सरोज देवी को राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार पहुंचाया। जहां उन्हें उपचार के लिए भर्ती किया गया है।

आंदोलनकारी विमला के निधन पर जताया शोक

श्रीनगर गढ़वाल : उत्तराखंड राज्य आंदोलन की वरिष्ठ आंदोलनकारी एवं समाजसेवी स्व. विमला कोटियाल के निधन पर बार एसोसिएशन ने शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बार काउंसिल ऑफ उत्तराखंड के पूर्व अध्यक्ष अर्जुन सिंह भंडारी, बार एसोसिएशन के संरक्षक अनूप श्रीपांथरी ने कहा कि उत्तराखंड राज्य के हक-हकूक की लड़ाई में उनकी भूमिका को कभी भुलाया नहीं जा सकता। अनूप श्रीपांथरी ने कहा कि विमला कोटियाल का जीवन आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा। शोक व्यक्त करने वालों में अध्यक्ष प्रमेश चंद्र जोशी, कृष्णानंद मैठाणी, पूर्व अध्यक्ष दीपक भंडारी, महेंद्र पाल सिंह रावत, वरिष्ठ अधिवक्ता भूपेंद्र पुंडीर, कोषाध्यक्ष सुबोध भट्ट, प्रदीप मैठाणी, ब्रह्मानंद भट्ट, विवेक जोशी, विकास पंत आदि शामिल रहे। (एजेंसी)

अध्यक्ष पद पर दिनेश और अनुज में होगी टक्टर

श्रीनगर गढ़वाल : व्यापार मंडल चुनाव के तहत बुधवार को नामांकन वापसी की तिथि निर्धारित थी। इस दौरान अध्यक्ष पद पर नामांकन करा चुके राजीव वर्मा ने अपना नामांकन वापस ले लिया, उन्होंने अध्यक्ष पद के उम्मीदवार दिनेश असवाल को अपना समर्थन दिया है। 12 जून को होने चुनाव में मतदान के लिए कुल 1452 व्यापारी पंजीकृत हैं। बुधवार को अध्यक्ष पद पर एक नामांकन वापस लिए जाने के बाद इस पद पर अब दिनेश असवाल व अनुज जोशी में आमने-सामने की टक्कर है। चुनाव अधिकारी डा. दिनेश भट्ट ने बताया कि अध्यक्ष और महासचिव पद पर दो-दो उम्मीदवार व कोषाध्यक्ष पद पर एक मात्र पंकज नेगी उम्मीदवार हैं। (एजेंसी)

मुर्गी बाड़े में घुसा गुलदार, मचा हड़कंप

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड के मासों तल्ला गांव में बुधवार सुबह गुलदार के मुर्गी बाड़े में घुसने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने गुलदार को ट्रेंकुलाइज कर पौड़ी रेंज कार्यालय पहुंचाया। डीएफओ गढ़वाल महातिम यादव ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 6 बजे गुलदार गांव निवासी अर्जुन सिंह के मुर्गे के बाड़ा में घुस गया। टीम ने करीब एक घंटे का रेस्क्यू किया लेकिन वह काबू में नहीं आया जिसके बाद विभाग को ट्रेंकुलाइज करना पड़ा। टीम गुलदार को सुरक्षित पौड़ी रेंज लाई जहां से उसे रेस्क्यू सेंटर भेजा जाएगा। बताया कि गुलदार एक साल की मादा शावक है।

खाई में गिरी कार, चार घायल

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : बुधवार को बुआखाल-रामनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में कार चालक समेत चार लोग घायल हो गए। घायलों का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। बुधवार को पैठाणी से कार में सवार होकर चार लोग पाबौ होते हुए पौड़ी आ रहे थे। पैडाल गांव निवासी कार चालक अवतार सिंह ने बताया कि कार में संजय कंडारी पैठाणी, मनोज गुसाईं व सुरेंद्र सिंह धारतोली गांव से श्रीनगर जा रहे थे। मांडाखाल के समीप सामने से एक ट्रक तेजी से आया जिसके चलते कार अनियंत्रित होकर 40 से 50 मीटर नीचे खाई में गिर गई। हादसा दोपहर करीब 12:15 बजे हुआ। कार चीड़ के पेड़ पर अटक गई। घायलों को 108 एम्बुलेंस से जिला अस्पताल में पहुंचाया गया। जिला अस्पताल के पीएमएस डॉ. एलडी सेमवाल ने बताया कि घायलों को हल्की चोटें आई हैं।

तीरंदाजी प्रतियोगिता में देवांश ने जीता कांस्य पदक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बलूनी स्पोर्ट्स अकादमी के तीरंदाज देवांश नेगी ने अखिल भारतीय इंडोर तीरंदाजी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता। विद्यालय की निदेशक अभिलाषा भारद्वाज ने बताया कि प्रतियोगिता गोवा में आयोजित करवाई गई। बताया कि देवांश नेगी पिछले लंबे समय से बलूनी स्पोर्ट्स अकादमी में तीरंदाजी का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उनके कोच पवन भंडारी ने बताया कि देवांश एक अत्यंत धैर्यवान, अनुशासित व प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। कहा कि लगातार तीन वर्षों की कड़ी मेहनत, समर्पण और नियमित अभ्यास का ही परिणाम है कि देवांश ने राष्ट्रीय स्तर पर यह उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। देवांश ने इस सफलता का श्रेय उनके माता-पिता का सहयोग व उनके कोच के उत्कृष्ट प्रशिक्षण व मार्गदर्शन को दिया।

डॉ. मेघना असवाल पौड़ी की सीएमओ नियुक्त

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए स्वास्थ्य सचिव विनय शंकर पांडेय द्वारा जनहित में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ) की तैनाती की गई है। प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण, चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार तथा आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए ये नियुक्तियां की गई हैं। अल्मोड़ा में डॉ. योगेश पुरोहित, नैनीताल में डॉ. रश्मि पंत, पिथौरागढ़ में डॉ. हरीश चन्द्र पंत, पौड़ी में डॉ. मेघना असवाल, रुद्रप्रयाग में डॉ. अमित कुमार शुक्ला, टिहरी में डॉ. राम प्रकाश और उत्तरकाशी में डॉ. श्याम विजय की तैनाती की गई है। सचिव स्वास्थ्य ने विश्वास व्यक्त किया है कि संबंधित जनपदों में स्वास्थ्य व्यवस्थाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी तथा आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाओं का लाभ प्राप्त होगा।

पानी की एक-एक बूंद को तरसे पदमपुरवासी, चार दिन से सूखे पड़े नल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भीषण गर्मी के बीच पदमपुर क्षेत्र में पेयजल संकट ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पिछले चार दिनों से जलापूर्ति ठप होने के कारण हजारों लोग पानी के लिए जूझ रहे हैं। हालात यह हैं कि सुबह होते ही महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे खाली बर्तन लेकर पानी की तलाश में निकल पड़ते हैं, जबकि कई परिवार टैंकरों से पानी भरने के लिए घंटों इंतजार करने को मजबूर हैं।

जानकारी के अनुसार पदमपुर क्षेत्र की लगभग तीन हजार आबादी को घराट क्षेत्र स्थित नलकूप से पेयजल आपूर्ति की जाती है। नलकूप में तकनीकी खराबी आने के कारण जलापूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई है। गर्मी के इस मौसम में पानी की किल्लत ने लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित कर दिया है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यह समस्या नई नहीं है। नलकूप में लगी पुरानी मोटर अक्सर खराब हो जाती है, जिससे हर वर्ष गर्मियों में पेयजल संकट खड़ा हो जाता है। कई बार विभागीय अधिकारियों से मोटर बदलने की मांग की जा चुकी है, लेकिन अब तक केवल मरम्मत के सहारे व्यवस्था चलाई जा रही है। परिणाम स्वरूप कुछ समय बाद फिर वही स्थिति पैदा हो जाती है। जल संस्थान द्वारा राहत के तौर पर क्षेत्र में पानी के टैंकर भेजे जा रहे हैं, लेकिन बढ़ती मांग के मुकाबले यह व्यवस्था नाकाफी साबित हो रही है। लोगों का कहना है कि टैंकरों से मिलने वाला पानी सभी परिवारों तक पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पा रहा है। क्षेत्रवासियों ने विभाग से जल्द नलकूप को सुचारु करने और स्थायी समाधान के लिए नई मोटर लगाने की मांग की है, ताकि भविष्य में बार-बार उत्पन्न होने वाले इस संकट से राहत मिल सके।

कोटद्वार रेलवे स्टेशन में मिला लापता शिक्षक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रविवार से लापता चल रहे विकासखंड रिखणीखाल के ग्राम तोल्यूंडांडा स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक बुधवार सुबह कोटद्वार रेलवे स्टेशन पर सुरक्षित मिल गए।प्रभारी प्रधानाध्यापक लक्ष्मण सिंह रावत रविवार को अपनी पत्नी को बाहर जाने की बात कह कर निकले, लेकिन शाम तक घर वापस नहीं लौटे। उनकी पत्नी की तरफ से पुलिस में उनकी गुमशुदगी की सूचना दी गई, जिसके बाद से पुलिस उन्हें तलाश रही थी। पुलिस को यह पता चला कि लक्ष्मण रविवार को रोडवेज बस से कोटद्वार आए। लेकिन, इसके बाद कहां गए, यह जानकारी नहीं मिल पा रही थी। रिखणीखाल थाना प्रभारी मो. अकरम ने बताया कि बुधवार सुबह उन्हें फोन पर सूचना मिली कि लक्ष्मण कोटद्वार रेलवे स्टेशन पर बैठे हैं। उनके साथ उनके कोई परिचित भी मौजूद हैं, जो उन्हें घर वापस लेकर आ रहे हैं। बताया कि लक्ष्मण की घर वापसी के बाद यह स्पष्ट हो पाएगा कि वे कहां और क्यों गये थे।

मंच ने उठाई समस्याएं, जल्द निराकरण की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर की विभिन्न समस्याओं पर नागरिक मंच ने नाराजगी व्यक्त की है। कहा कि लगातार शिकायत के बाद भी सरकारी सिस्टम समस्याओं को लेकर लापरवाह बना हुआ है। बैठक में अतिक्रमण, अवैध खनन, सीवर व्यवस्था, ट्रेंचिंग ग्राउंड और वन्यजीवों के बढ़ते आतंक जैसे मुद्दों पर प्रशासन से प्रभावी कार्रवाई की मांग की।

व्यापार भवन सभागार में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि नगर क्षेत्र में अतिक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है और आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा राजस्व और वन क्षेत्रों में अवैध खनन की गतिविधियां भी जारी हैं, लेकिन संबंधित विभागों की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। बैठक में शहर में सीवर लाइन और ट्रेंचिंग ग्राउंड की स्थायी व्यवस्था न होने पर भी चिंता व्यक्त की गई। वक्ताओं ने कहा कि बढ़ती आबादी के कारण पुरानी सीवर लाइनें बार-बार चोक हो रही हैं, जिससे भविष्य में गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इस दिशा में शासन-प्रशासन को जल्द प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। वन्यजीवों के बढ़ते आतंक पर भी चर्चा हुई। मंच के सदस्यों ने कहा कि बंदरों और आवारा कुत्तों के हमलों की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे शहरवासियों में भय का माहौल बना हुआ है। बैठक में फेरी लगाने वाले व्यक्तियों का सत्यापन सुनिश्चित करने तथा ऑनलाइन टेंडर प्रणाली को समाप्त करने की मांग भी उठाई गई। मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि नगर की समस्याओं के समाधान को लेकर जल्द ही एक प्रतिनिधिमंडल नगर आयुक्त और अपर पुलिस अधीक्षक से मुलाकात करेगा। बैठक में चंद्र प्रकाश नैथानी, अतुल भट्ट, राजेंद्र पंत, चिंतामणि देवलियाल, शंकर दत्त गौड़, सुनील कोटनाला, हर्षवर्धन ध्यानी, दिनेश जुयाल, सुरेश मधवाल, प्रवेश नवानी, विजय माहेश्वरी और सत्य नारायण नौटियाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

दीपक ने इंसानियत का परिचय देकर बिगड़ता माहौल रोका: नेगी

पत्रकारों से वार्ता करते हुए बोले पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी

कोटद्वार में पत्रकारों से वार्ता करते पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि मुस्लिम समुदाय के बुजुर्ग की मदद के लिए आगे आकर दीपक ने इंसानियत का फर्ज निभाया। कुछ लोग कोटद्वार में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ना चाहते हैं। लेकिन, उनकी यह कोशिश नाकाम रही। बुधवार को कोटद्वार में पत्रकारों से वार्ता करते हुए पूर्व काबीना मंत्री ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि वह नहीं जानते कि दीपक ने स्वयं को मोहम्मद दीपक बताया या मोहब्बत दीपक। लेकिन, वह यह जानते हैं कि दीपक ने एक बुजुर्ग की मदद कर इंसानियत का धर्म निभाया। कहा कि यदि कोई भी बुजुर्ग सड़क पर चलता है और कोई व्यक्ति उनके साथ गलत व्यवहार करता है तो हर इंसान बुजुर्ग की मदद के लिए आगे आएगा। उसी तरह दीपक भी बुजुर्ग के बचाव में आगे आए। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के चार जून को प्रस्तावित पौड़ी दौरे को लेकर कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं। कहा कि राहुल गांधी लंबे समय से अग्निवीर योजना को लेकर युवाओं की चिंताओं को उठाते रहे हैं। पौड़ी में आयोजित संवाद कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों और युवाओं के सुझावों एवं समस्याओं को गंभीरता से सुना जाएगा। उन्होंने कोटद्वार के भाबर क्षेत्र में प्रस्तावित ट्रेंचिंग ग्राउंड के मुद्दे को भी उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार को जनभावनाओं और पर्यावरणीय पहलुओं को ध्यान में रखते हुए इसका समाधान निकालना चाहिए। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. चंद्रमोहन खर्कवाल, कांग्रेस जिलाध्यक्ष विकास नेगी, महानगर अध्यक्ष मीना बछवाण, पूर्व ब्लॉक प्रमुख गीता नेगी, संजय मित्तोला, शूरवीर खेतवाला मौजूद रहे।

भारतीय भाषा समर कैंप का समापन, प्रतिभागियों को किया सम्मानित

आयोजित कैंप में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार में आयोजित सात दिवसीय भारतीय भाषा समर कैंप का समापन हो गया। इस दौरान बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि समर कैंप का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में भाषाई कौशल का विकास करना, भारतीय भाषाओं और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना, संवाद क्षमता को मजबूत बनाना तथा रचनात्मकता और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करना था। साथ ही नई पीढ़ी को स्थानीय ज्ञान, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का भी प्रयास किया गया। सात दिनों तक चले इस कैंप में बच्चों को नई शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। सामाजिक मूल्यों, सामुदायिक सहभागिता और व्यवहारिक शिक्षा पर भी विशेष सत्र आयोजित किए गए। प्रतिभागियों ने विभिन्न रचनात्मक और सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कैंप के दौरान विद्यार्थियों को गुजराती और पंजाबी भाषा की मूलभूत जानकारी देने के साथ-साथ गुरमुखी, ब्रेल और देवनागरी लिपियों से भी परिचित कराया गया। इसके अलावा स्टेन पेंटिंग, पैटर्न मेकिंग, कठपुतली कला और नुक्कड़ नाटक जैसी गतिविधियों के माध्यम से उनकी सृजनात्मक प्रतिभा को निखारने का प्रयास किया गया। समापन समारोह में डॉ. पद्मेश बुडाकोटी, मनमोहन चौहान, सुरभि सचदेवा, अंजना, संतोषी देवी, आराधना कुकरेती, पूजा बिष्ट, पूरण चंद्र धूलिया, संतोष नेगी सहित अनेक शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने उत्तराखण्ड बोर्ड की हाईस्कूल की परीक्षा सन् 2003 में अनुक्रमांक 0060353 से राजकीय इंटर कॉलेज थलीसैंण, जिला पौड़ी गढ़वाल से उत्तीर्ण की। मेरा हाईस्कूल का अंक पत्र तथा प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गये है, जो काफी खोजबीन के बावजूद भी नहीं मिले।

पंकज ममगाई पुत्र श्री केदार दत्त निवासी ग्राम जखोला, पट्टी चोपडाकोट, तहसील थलीसैंण, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0527/21)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

नं. 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 02.06.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/समन्वय द्वारा ई टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	62-DRM-MB-26-27 Dt. 20.05.2026	72-DRM-MB-26-27 Dt. 30.05.2026
कार्य का नाम	Updating, reconciling, certification, and computerization of land plans for stations, in between stations and railway colony areas etc. of MB division.	USFD testing of Running rail, point and crossing, SEJ and SEJ Flange over Moradabad Division
निविदा का प्रकार	Works	Works
निविदा की कीमत	Nil	Nil
अनुमानित लागत	3,75,00,999.75	1,19,78,775.06
धरोहर राशि	7,50,000.00	2,39,600.00
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	25.06.2026 16:00	25.06.2026 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	11.06.2026	11.06.2026
आफर की वैधता	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	09 Months	06 Months

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1876/26

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

विभाग	Electrical (TRD)
टैंडर नं.	T-01-TRD-MB-26-27
कार्य का नाम	आगामी कुंभ मेला 2027 के लिए मुरादाबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर PH-53 कार्यों से सम्बंधित टी.आर.डी. का कार्य।
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	17.06.2026, 15:00 Hrs
कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	रु. 1,24,91,297.52/- (जीएसटी @18% सहित)
बिड सिक्यूरिटी राशि (रु.)	रु. 2,49,800/-
निविदा प्रपत्र मूल्य (रु.)	NIL
ऑफर की वैधता (दिन)	60 दिन
कार्य पूरा करने की अवधि	04 माह
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in Divisional Railway Manager's Office, Northern Railway, Moradabad.

सं.: Elect/TRD/MB/2026-27/TN-01 दिनांक: 26.05.2026 1875/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/ मुख्यालय/ मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	67-DRM-MB-26-27 dt. 01.06.2026	68-DRM-MB-26-27 dt.01.06.2026	69-DRM-MB-26-27 dt. 01.06.2026
Name of work	Construction of new Quarters at Bahjoi.	Construction of B-wall at vulnerable locations to prevent land from encroachment on approaches of Major City Moradabad.	Improvement to existing water supply arrangements for passengers at Moradabad by providing 4 nos. RCC overhead tank of 225000 ltr capacity each with 4nos. borewell & pumphouse at Moradabad for coach filling facilities
Tender Closing Date Time	25.06.2026	25.06.2026	25.06.2026
Advertised Value	₹ 2,22,38,004.96	₹ 2,73,38,330.50	₹ 4,69,73,287.56
Earnest Money	₹ 4,44,800.00	₹ 5,46,800.00	₹ 9,39,500.00
Tender Cost (₹)	00	00	00
Bidding Start Date	12.06.2026	12.06.2026	12.06.2026
Period of Completion	6 Months	6 Months	6 Months

पत्रांक: 75-W/2/3/WA/ Publication दिनांक: 01.06.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1855/2026

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

सूचना

एतद्द्वारा विद्युत वितरण खण्ड– नैनीडांडा के अधीन समस्त सम्मानित विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि कृपया विद्युत पोलों, ट्रांसफार्मरों, विद्युत तारों से उचित दूरी बनाए रखें। बरसात के मौसम में विद्युत पोलों, तारों से करंट लगने का खतरा अधिक बना रहता है। जिससे कोई भी अप्रिय घटना घटित हो सकती है। अतः समस्त सम्मानित विद्युत उपभाक्ताओं से अपील की जाती है कि कृपया विद्युत उपकरणों का उपयोग करते समय निम्न सावधानियों बरतें–

1. टूटे तारों, स्पार्किंग या अन्य खराबी दिखाई देने पर तुरंत अपने नजदीकी ऊर्जा निगम कार्यालय या टोल फ्री नंबर 1912 पर सूचना दें।
2. जलभराव वाले क्षेत्रों में पंप, स्विच और विद्युत तारों का प्रयोग सावधानी से करें, क्योंकि वहाँ करंट फैलने की सम्भावना अधिक होती है।
3. घर के अर्थिंग सिस्टम की नियमित जाँच कराएं और सुनिश्चित करें कि सभी उपकरण सुरक्षित तरीके से ग्राउंडेड हो।
4. विद्युत आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में संयम बनाए रखें, ऊर्जा निगम की टीमें हाई अलर्ट मोड में कार्यरत है।
5. मोबाइल या अन्य उपकरणों को चार्ज करते समय गीले हाथों का प्रयोग न करें।
6. बिजली के खंभों को न छुए, न ही मवेशियों को उनसे बाँधें।
7. बिजली की लाइनों के नीचे किसी भी तरह के कार्यक्रम न करें।
8. बिजली की लाइनों के नीचे भवन निर्माण इत्यादि कार्य न करें।
9. विद्युत पोल, ट्रांसफार्मर और झूलते तारों से उचित दूरी बनाए रखें।
10. विद्युत तारों, पोलों, ट्रांसफार्मरों के आस–पास पेड़, घास, झाड़ियाँ न काटें।

साथ ही स्थानीय जनता से अनुरोध है कि यदि आपके क्षेत्र के आस–पास क्षतिग्रस्त विद्युत पोल, झूलती तारें दिखाई दें तो ऐसे प्रकरणों की सूचना निम्नलिखित मोबाइल नंबरों पर देने की कृपा करें–

क्र०सं०	कार्यालय का नाम	मोबाइल नंबर
1	उपखण्ड अधिकारी, विद्युत वितरण उपखण्ड– स्यूँसी।	94120 81777
2	उपखण्ड अधिकारी, विद्युत वितरण उपखण्ड– रिखणीखाल।	94120 81177
3	उपखण्ड अधिकारी, विद्युत वितरण उपखण्ड– थलीसैंण।	73022 57309
4	अवर अभियन्ता, 33/11 के०बी० विद्युत उपकेन्द्र, धुमाकोट।	94111 10016
5	अवर अभियन्ता, 33/11 के०वी० विद्युत उपकेन्द्र, स्यूँसी।	73022 57308
6	अवर अभियन्ता, 33/11 के०वी० विद्युत उपकेन्द्र, रिखणीखाल।	94129 98721
7	अवर अभियन्ता, 33/11 के०वी० विद्युत उपकेन्द्र, मझगाँव/चाकीसैंण।	94111 10014

पत्रांक : 315/वि0वि0ख0(नै)/उपाकालि0/टी–6
दिनांक : 02.06.2026

अधिशासी अभियन्ता,
विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

कार्यालय नगर पालिका परिषद पौड़ी, पौड़ी-गढ़वाल

संख्याः- 402 / न0पा0प0/निवि. सू.-2026/ दिनांकः जून 03 2026

शुद्धि पत्र

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्रांक संख्या 324/न0पा0प0/निवि0सू0-2026 दिनांक 25 मई 2026 के माध्यम से आगामी जय कण्डोलिया पौड़ी महोत्सव-2026 (अवधि 15-06-2026 से 19-06-2026) के सफल संपादनार्थ विभिन्न व्यवस्थाओं हेतु अल्पकालीन निविदा सूचना समाचार पत्र में प्रकाशित की गयी थी। उक्त निविदा सूचना के विवरण तालिका में टंकण त्रुटि के कारण अंकित हो गयी अत्यधिक जमानत धनराशि (ई0एम0डी0) को तत्काल प्रभाव से संशोधित करते हुये अब तीनों मुख्य कार्यों हेतु समान रूप से मात्र रू0-9000/-(रूपये-नौ हजार रूपये मात्र) निर्धारित किया जाता है। संशोधित विवरण निम्न प्रकार से पढ़ा व समझा जाये।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	संशोधित जमानत धनराशि	
01	साउण्ड एवं लाईट व्यवस्था	9,000/-	1000+ जी0एस0टी0
02	पारितोषिक / खेल सामग्री	9,000/-	1000+ जी0एस0टी0
03	जल पान	9,000/-	1000+ जी0एस0टी0

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद पौड़ी
पौड़ी गढ़वाल
(0212/55)

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद पौड़ी
पौड़ी गढ़वाल

संपादकीय

चुनावी शंखनाद की तैयारी

राहुल गांधी के आने से पूर्व उत्तराखंड में तीखे बयानों का आदान–प्रदान शुरू हो चुका है जिसके तहत उत्तराखंड भाजपा के प्रभारी दुष्यंत गौतम का बयान चर्चाओं में है। उन्होंने कहा था कि क्या राहुल गांधी उत्तराखंड में लड़कियां छेड़ने के लिए आ रहे हैं? उनके इस बयान की व्यापक प्रतिक्रिया देखने को मिली है, हालांकि सबके बीच कांग्रेस कार्यकर्ता राहुल गांधी के दौरे को लेकर काफी उत्साहित है और माना जा रहा है कि उनके दौरे के बाद अगले विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी एक्शन मोड में भी नजर आएगी। राज्य गठन के बाद से ही उत्तराखंड में भाजपा और कांग्रेस का शासन रहा है और आगे भी यही लड़ाई देखने को मिलेगी। कांग्रेस और भाजपा के बीच मुकाबला हमेशा दिलचस्प रहा है। ऐसे समय में जब कांग्रेस राज्य में अपनी संगठनात्मक मजबूती बढ़ाने और जनता के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का प्रयास कर रही है, इसी दृष्टि से राहुल गांधी का उत्तराखंड दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बीजेपी हो या फिर राष्ट्रीय कांग्रेस, केंद्रीय नेता की मौजूदगी से कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ता है और संगठन को नई ऊर्जा मिलती है। किसी को देखते हुए कांग्रेस कार्यकर्ता अल्मोड़ा में आयोजित जनसभा को सफल सफल बनाने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ जुड़े हुए हैं। राहुल गांधी का यह दो दिवसीय दौरा उत्तराखंड के सैनिक वोट पर केंद्रित है। राज्य में बड़ी संख्या में सैन्य परिवार रहते हैं और उनका राजनीतिक प्रभाव भी महत्वपूर्ण है। राहुल गांधी का सैनिकों और पूर्व सैनिकों से संवाद कांग्रेस को इस वर्ग के बीच अपनी बात रखने का अवसर देगा। कांग्रेस शुरुआती दौर से ही अग्नि वीर व्यवस्था को लेकर विरोध में खड़ी नजर आई है, और भारतीय फौज में पूर्व की व्यवस्था की पक्षधर है। अग्निवीर योजना जैसे मुद्दों पर कांग्रेस अपनी राजनीतिक रणनीति को और धार देने की कोशिश कर सकती है। उत्तराखंड में बेरोजगारी, पलायन, महंगाई और कानून व्यवस्था को लेकर भी राहुल गांधी अपने बड़े नेताओं के साथ चर्चा कर सकते हैं। युवाओं, बेरोजगारी, शिक्षा, पलायन और महंगाई जैसे मुद्दों को राहुल गांधी लगातार राष्ट्रीय स्तर पर उठाते रहे हैं। इस बार भी उनकी कोशिश रहेगी की इन विषयों को उत्तराखंड की आम जनता के बीच जोरदार तरीके से पेश किया जा सके। अब यह जिम्मेदारी उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस संगठन की है कि वह किस तरीके से राहुल गांधी की हुंकार को भाजपा को चुनौती देने लायक बनाती है। रैलियां तो जोड़–तोड़ करके सफल दिखाई जा सकती है लेकिन इसका लाभ तभी मिलेगा जब प्रदेश के वोटर कांग्रेस के पक्ष में मतदान करें। इस बात से इनकार नहीं है कि कांग्रेस की अपेक्षा भाजपा का बूथ मैनेजमेंट बेहद मजबूत है, और यहीं पर कांग्रेस की कमजोरी नजर आती है। राहुल के इस दौरे के बाद प्रदेश कांग्रेस को भाजपा के खिलाफ राजनीतिक माहौल तैयार करने का अवसर है। यदि कांग्रेस इस अवसर का सही उपयोग करती है तो राज्य की राजनीति में उसकी स्थिति मजबूत हो सकती है।

चिंतन-मनन

भलाई का भाव होता है यज्ञ

एक भाव होता है मेरा दूसरा है मेरे लिए और तीसरा है सबके लिए। मेरा में इंसान केवल अपने बारे में ही सोचता रहता है और ये पक्का कर लेता है कि मेरे पास जो है, वो केवल मेरा है, मैंने कमाया है, मुझे मिला है और इस पर केवल मेरा ही अधिकार है। यह सोच अज्ञानी लोगों की होती है, जो हमारे अहंकार को बनाये रखती है। मेरे लिए अर्थात इंसान सोचता है कि जो भी मेरे पास है, ये मेरा नहीं बल्कि मेरे लिए है। इसका स्वामी मैं नहीं बल्कि ये सब मुझे इस्तेमाल करने के लिए मिला है। वो इसी भाव को मन में रखता है। यह सोच मध्यम दर्जे के लोगों की होती हैं।

तीसरा भाव है सबके लिए मतलब जो मेरे पास है, वो मेरा ही नहीं और मेरे लिए नहीं, बल्कि सबके लिए है। यह विचार उत्तम दर्जे के इंसानों का होता हैं। इसी को यज्ञ कहा जाता है। जब मन में सबकी भलाई का भाव हो वही यज्ञ है। जो सबका ध्यान रखकर बाद में अपना सोचता है वही श्रेष्ठ इंसान है। इस तरह का यज्ञ अहंकार को गला देता है। ऐसी भावना के साथ साधना करने वाला ब्रह्म को पा लेता है। जो मनुष्य केवल मेरा-मेरा में ही फंसा रहता है, वो ना तो इस जन्म में सुख पाता न ही मरने के बाद परलोक में।

डिजिटल आक्रामकता के जाल में फंसा बचपन

दिलीप कुमार पाठक

आजकल घरों में शाम के वक्त एक खामोश नजारा दिखाई देता है। पूरा परिवार एक ही कमरे में, एक ही सोफे पर साथ बैठा होता है, लेकिन आपस में कोई बातचीत नहीं होती। सब के सब चुपचाप अपने-अपने मोबाइल की स्क्रीन में खोए रहते हैं। माता-पिता भी इस बात से बड़े खुश और बेफिक्र रहते हैं कि उनका बच्चा बाहर धूप या धूल-मिट्टी में नहीं घूम रहा है, बल्कि घर के अंदर आराम से सुरक्षित बैठा है। लेकिन क्या कभी हमने ठंडे दिमाग से बैठकर यह सोचने की कोशिश की है कि स्क्रीन में अपनी आंखें गड़ाए बैठा हमारा यह मासूम बच्चा अंदर ही अंदर किस मानसिक दौर से गुजर रहा है? कहीं उसके नन्हें दिमाग पर नकारात्मक असर तो नहीं हो रहा?

हर साल 4 जून को पूरी दुनिया में आक्रामकता के शिकार मासूम बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। पुराने जमाने में जब इस दिन की चर्चा होती थी, तो बच्चों पर अत्याचार का सीधा सा मतलब लड़ाई-झगड़े, युद्ध, दंगे या फिर फैक्ट्रियों में होने वाली बाल-मजूदरी से लगाया जाता था। लेकिन आज के इस आधुनिक और डिजिटल युग में मासूमों के खिलाफ होने वाली हिंसा का पूरा चेहरा ही बदल चुका है। अब यह आक्रामकता सड़क पर शोर नहीं मचाती। अब यह हिंसा बिना किसी आवाज के, इंटरनेट के महीन रास्तों से रेंगती हुई सीधे हमारे घरों के भीतर और हमारे बच्चों के दिमाग पर सीधा हमला कर रही है। जरा रुककर गंभीरता से सोचिए। आपका बच्चा आपके ठीक सामने बैठा हो सकता है, लेकिन मुमकिन है कि ठीक उसी वक्त उसका कोमल मन किसी बहुत गहरे तनाव या डर में डूब रहा हो। ऑनलाइन गेम खेलते समय किसी अनजान शख्स द्वारा दी गई गंदी गालियां, सोशल मीडिया पर दोस्तों द्वारा उड़ाया गया उसका कोई भद्दा मजाक, या फिर इंटरनेट के समंदर में छिपे किसी अपराधी की गंदी नजर। यह डिजिटल आक्रामकता ऐसी होती है जो बाहर से शरीर पर दिखाई नहीं देती, इसलिए इसके जख्म और भी ज्यादा गहरे होते हैं। यह अदृश्य हमला बच्चे के आत्मविश्वास को भीतर ही भीतर खोखला कर देता है। सबसे ज्यादा डरावना तो यह है कि इंटरनेट के इस गंदे खेल में कोई तीसरा देखने वाला गवाह नहीं होता, सिवाय उस एक सहमे हुए और अकेले पड़ चुके बच्चे के।

वैश्विक संस्था यूनिसेफ की एक हालिया रिपोर्ट साफ कहती है कि दुनिया में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाला हर तीसरा इंसान असल में एक बच्चा है। और इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से एक बहुत बड़ी आबादी ऑनलाइन किसी न किसी रूप में मानसिक या भावनात्मक प्रताड़ना का शिकार होती है। हम अपनी व्यस्त जिंदगी में बच्चों को रोने से रोकने या उन्हें शांत बैठाने के लिए खिलौने की जगह मोबाइल थमा देते हैं। यह डिजिटल झुनझुना शुरू-शुरू में तो हमें बड़ी राहत देता है, लेकिन धीरे-धीरे यही मोबाइल बच्चे और माता-पिता के बीच बातचीत का रास्ता हमेशा के लिए बंद कर देता है। जब बच्चा इंटरनेट की किसी बड़ी मुसीबत या ब्लैकमेलिंग में फंसता है, तो वह लोक-लाज और डर के मारे अपने मम्मी-पापा को कुछ नहीं बता पाता। वह अंदर ही अंदर घुटता रहता है, उसका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है और वह खुद को एक अंधेरे कमरे में बंद कर लेता है। अब वह समय आ गया है जब हमें इस बढ़ते हुए खतरे को गहराई से समझना होगा। यह कोई ऐसी सामाजिक समस्या नहीं है जो केवल पुलिस की मुस्तैदी या सरकार के कड़े कानून बना देने भर से ठीक हो जाएगी। इस बीमारी के इलाज की शुरूआत हमारे अपने घर के भीतर से ही होगी। बच्चों को महंगे स्मार्टफोन या गैजेट्स लाकर देने से कहीं ज्यादा जरूरी है उन्हें अपना कीमती वक्त देना। अपने बच्चों के बदलते हुए बर्ताव पर हमेशा नजर रखिए। अगर आपका हंसता-खेलता बच्चा अचानक गुमसुम रहने लगा है, बात-बात पर गुस्सा कर रहा है या आपसे अपना फोन छिपाने लगा है, तो उसे डांटने या मारने की गलती बिल्कुल मत कीजिए। उसके पास बैठिए, प्यार से हाथ थामिए, उससे खुलकर बातें कीजिए और उसे यह भरोसा दिलाइए कि दुनिया की चाहे जो भी मुसीबत हो, उसके मम्मी-पापा हमेशा उसके साथ खड़े हैं। इस देश के बचपन को सुरक्षित और सुंदर बनाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। आइए, इस डिजिटल दौर में अपने बच्चों के सबसे अच्छे और सच्चे दोस्त बनें। उनके हाथ से कुछ देर के लिए फोन छीनकर उन्हें पास के मैदान में खेलने के लिए भेजें, रात को सोने से पहले उनसे गप्पें मारें और उन्हें खुलकर हंसने का असली मौका दें। जब तक हम उनके लिए घर में एक सुरक्षित और भरोसेमंद माहौल नहीं बनाएंगे, तब तक स्क्रीन के पीछे का यह रोना कभी बंद नहीं होगा। हमारे देश का उज्ज्वल भविष्य मोबाइल की इस छोटी सी स्क्रीन में घुट-घुट कर जीने के लिए नहीं, बल्कि खुले आसमान के नीचे खुलकर जिंदगी जीने के लिए है।

कमजोर मानसून तो महंगाई का लगेगा तड़का, अर्थव्यवस्था होगी प्रभावित

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मौसम विभाग द्वारा 29 मई को जून से सितंबर मानसून के दौरान 10 प्रतिशत कम बरसात का पूवार्नुमान बेहद चिंताजनक का कारण बन गया है। इससे पहले जारी पूवार्नुमान में 8 प्रतिशत कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई थी। लगभग दस साल बाद देश में कमजोर मानसून के हालात रहने की संभावना है। अर्थव्यवस्था के लिए यह इसलिए और भी अधिक चिंतनीय हो जाता है कि एक और अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर के आसार नहीं दिख रहे हैं और इसके कारण भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश कच्चे तेल और गैस की समस्या से दो चार हो रहे हैं और इसका सीधा असर महंगाई बढ़ना हो रहा है। दूसरी और अब अलनीनों के प्रभाव से इस साल कमजोर मानसून के कारण 10 प्रतिशत कम बरसात होने से हालात और भी गंभीर होने की संभावना बनती जा रही है। करीब दस साल बाद ऐसे हालात बनने जा रहे हैं। खास बात यह है कि उत्तर पूर्व को छोड़कर समूचे देश में कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान को इसलिए भी नहीं नकारा जा सकता है कि पिछले सालों में भारतीय मौसम विभाग के पूवार्नुमान लगभग सटीक रहने लगे हैं। मजे की बात यह है कि इस साल गर्मी भी भीषण पड़ रही है और पिछले एक माह में ही जलाशयों में उपलब्ध पानी में तेजी से कमी आई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश के प्रमुख 166 जलाशयों में कुल भराव क्षमता का 24 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है और तेजी से पानी कम होता जा रहा है। दक्षिण भारत के हालात अधिक गंभीर है और वहां लगभग 17 प्रतिशत ही पानी रह गया है। उत्तरी भारत के जलाशयों में 26 तो पश्चिमी भारत के जलाशयों में 28 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है। मानसून भी तय समय से बिलंबित हो रहा है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि हमारी अर्थव्यवस्था मानसूनी बरसात पर बहुत कुछ निर्भर करती है। देश में मानसून सीजन में 87 सेमी बरसात होती है। पूवार्नुमानों को माने तो 2018 में 91 प्रतिशत बरसात हुई थी उसके बाद के सालों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले सालों में मानसून की स्थिति देखें तो 2023 में मानसून अवश्य कमजोर रहा है अन्यथा देश में मानसूनी वर्षा 100 प्रतिशत के आसापास व इससे अधिक ही रही है। कमजोर मानसून के कारण भूजल स्तर में गिरावट, अधिक पानी पर निर्भर धान, तिलहन और दलहन की फसल प्रभावित होगी और इस कारण से खाद्य महंगाई बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। इससे आम आदमी की थाली पर असर पड़ेगा और सब्जी, दाल और अनाज सभी के भाव बढ़ने का असर दिखाई देगा। इसी तरह से देश के अनेक हिस्सों में पीने के पानी की दिक्कत आम है। बांधों में तेजी से पानी की कमी और मानसून कमजोर रहने से पानी की कम आवक रहती है तो निश्चित रुप से सिंचाई व पेयजल दोनों के लिए पानी की दिक्कत होगी। जल विद्युत परियोजनाओं में विद्युत उत्पादन पर असर होगा तो कुल मिलाकर अर्थ व्यवस्था को प्रभावित होने से कोई नहीं रोक सकता।

दरअसल देश में एक समय था जब सूखा आम होता था और व्यापक स्तर पर अकाल राहत कार्य संचालित होते थे। हांलाकि देश के हालातों में काफी सुधार हुआ है और अकाल को तो लगभग भूल ही चुके हैं। पर सवाल वहीं का वहीं है कि जल संचयन के जो प्रयास होने चाहिए थे और उनका जिस तरह का प्रभाव पड़ना चाहिए था वह अभी तक सामने नहीं आया है। सरकार के सामने कमजोर मानसून के हालात से निपटने की बड़ी चुनौती आने वाली है। सबसे अधिक तो जल संग्रहण की चुनौती होगी क्योंकि प्राकृतिक जल संग्रहण के रास्ते शहरीकरण की भेंट चढ़ चुके हैं। दीर्घकालीन सोच के साथ ठोस प्रयास नहीं होने से बरसात के पानी का सही तरीके से संग्रहण भी नहीं हो पा रहा है। जितने पानी की साल भर आवश्यकता होती है उससे अधिक बरसाती पानी तो बह जाता है। इसके अलावा पानी का उपयोग और दुरुपयोग दोनों ही बढ़ गए हैं। कम पानी से तैयार होने वाली फसलों की किस्में विकसित करने में हम अभी पूरी तरह से सफल नहीं हो पायें हैं। पांच नदियों के प्रदेश पंजाब तक में पानी का संकट होने लगा है। खेती ही नहीं घरेलू जरुरतों में भी पानी का उपयोग बहुत अधिक बढ़ गया है। टायलेट और कूलरों में पानी की खपत बहुत अधिक बढ़ गई है। जल बचाओ मात्र स्लोगन ही रह गया है और इसका असर दिखाई नहीं देता। इसी तरह से वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार तो बहुत किये गये हैं पर उनके निर्माण में जिस तरह की लापरवाही बरती गई है वह किसी से छिपी नहीं हैं। क्योंकि वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम कितना सफल रहा है वह सामने हैं। बाहरमासी नदी नालें तो अब कल्पना की बात हो गए हैं बल्कि बरसाती नदियां भी बरसात में एकाध बार ही पूरे वेग से बहती दिखती है। ऐसे में गंभीरता को तो समझा ही जा सकता है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि मानसून हमेशा सामान्य ही रहेगा यह सोचना अपने आप में गलत होगा। जिस तरह से वातावरण प्रदूषित हो रहा है, जंगल घटते जा रहे हैं, पेड़ पौधे कम हो रहे हैं वह किसी और की देन नहीं हमारे कारण ही हो रहा है। हालात यह हो गए हैं कि सर्दी में सर्दी नहीं और गर्मी में गर्मी को तरसने लगे हैं। यहां तक कि इस बार तो बसंत की प्रतीक्षा ही करते रह गए हैं। जनवरी फरवरी में सर्दी तो फिर मार्च अप्रेल में गर्मी का असर देखा गया। बसंत कब आया और कब गया पता ही नहीं चला। कहने का अर्थ है कि प्रकृति के साथ छेड़छाड़ का परिणाम सामने हैं। प्राकृतिक विपदाएं अधिक होने लगी है। ग्लेसियरों में तेजी से बर्फ पिघल रही है, समयपर बर्फवारी कम होने लगी है। बेमौसम आंधी ओलावृष्टि आम होती जा रही है। खैर यह विषयांतर होगा पर कहीं ना कहीं मानसून को लेकर दीर्घकालीन रणनीति बनानी ही होगी ताकि कमजोर मानसून का जनजीवन और अर्थ व्यवस्था पर व्यापक असर नहीं पड़े। सरकारी और गैरसरकारी स्तर पर इस दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे।

दो टूक- टूटते भरोसे के वेंटिलेटर पर देश की परीक्षा व्यवस्था

योगेश कुमार गोयल

सबसे महत्वपूर्ण है राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति। जब तक सरकार इस समस्या को 'राष्ट्रीय आपदा' की तरह नहीं देखेगी, तब तक आधे-अधूरे समाधान ही सामने आएंगे। नीट-यूजी 2026, सीबीएसई ओएसएम विवाद और एसएससी परीक्षा धांधली, ये घटनाएं चेतावनी हैं। यदि अब भी कठोर और स्थायी सुधार नहीं किए गए तो आने वाले समय में हर परीक्षा संदेह के घेरे में होगी। तब सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं होगी कि पेपर लीक हुआ बल्कि यह होगी कि देश के युवाओं का विश्वास पूरी तरह टूट जाएगा।

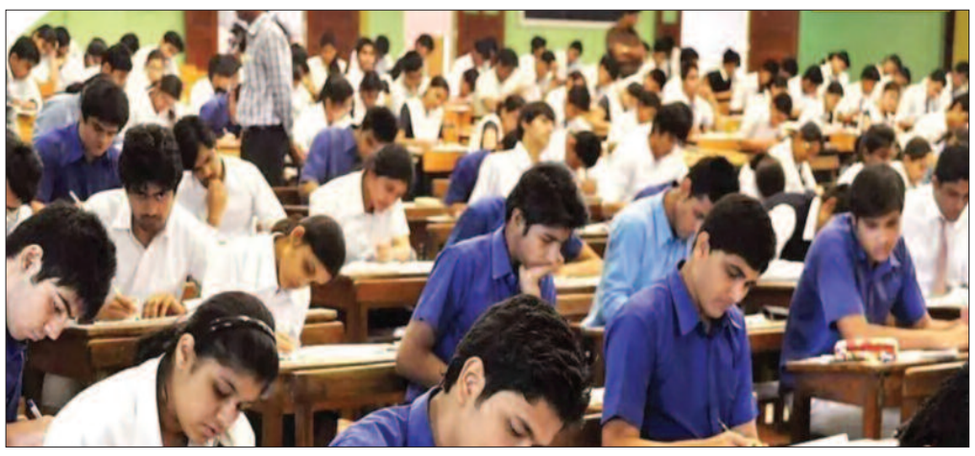

भारत में परीक्षा अब केवल योग्यता का आकलन नहीं रह गई है बल्कि यह करोड़ों सपनों की निर्णायक कसौटी बन चुकी है लेकिन जब यही कसौटी बार-बार संदिग्ध हो जाए, जब मेहनत और ईमानदारी की जगह 'जुगाड़' और 'माफिया नेटवर्क' हावी हो जाएं, तब यह केवल परीक्षा का संकट नहीं बल्कि राष्ट्र के भविष्य का संकट बन जाता है। पेपर लीक के चलते नीट-यूजी 2026 परीक्षा का रद्द होना, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली पर उठे गंभीर सवाल और एसएससी जीडी परीक्षा में धांधली, ये घटनाएं मिलकर यह साबित करती हैं कि भारत की परीक्षा प्रणाली अब गहरे संस्थागत संकट में फंस चुकी है और भारत की परीक्षा प्रणाली अब वेंटिलेटर पर है। नीट-यूजी 2026 का घटनाक्रम तो इस विफलता की सबसे भयावह तस्वीर पेश करता है। लगभग 22.79 लाख छात्रों की मेहनत, उनके परिवारों के त्याग और वर्षों की तैयारी एक झटके में शून्य हो गई। यह केवल एक परीक्षा का रद्द होना नहीं था बल्कि उस विश्वास का टूटना था, जिस पर पूरी शिक्षा व्यवस्था टिकी हुई है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि इस बार मामला केवल बाहरी गिरोहों तक सीमित नहीं रहा बल्कि जांच में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के भीतर तक मिलीभगत के आरोप सामने आए। सीबीआई की जांच और संसदीय समिति की पूछताछ में यह संकेत मिले हैं कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े कुछ अधिकारियों ने मोटी रकम लेकर चुनिंदा छात्रों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने का काम किया। यदि ये आरोप सही हैं तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं बल्कि संस्थागत विश्वासघात है। जिस संस्था को निष्पक्षता की गारंटी देनी थी, वही यदि धांधली का हिस्सा बन जाए तो पूरी व्यवस्था का नैतिक आधार ही खत्म हो जाता है। नीट पेपर लीक की प्रकृति भी सामान्य नहीं थी। 'गेस पेपर' के नाम पर लगभग 150 से अधिक प्रश्नों का हूबहू मिल जाना, परीक्षा से पहले 600 अंकों तक के सवालों का प्रसार, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर खुलेआम प्रश्नपत्र का घूमना, ये सब किसी संयोग का परिणाम नहीं हो सकते। यह एक संगठित, बहुस्तरीय और तकनीकी रूप से सक्षम नेटवर्क का संकेत है, जो परीक्षा प्रणाली की हर कमजोर कड़ी को भेद चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 2024 में पेपर लीक के बाद भी कोई ठोस सुधार क्यों नहीं हुआ? सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, जांच समितियों और सिफारिशों के बावजूद 2026 में स्थिति और बदतर कैसे हो गई? इसका सीधा अर्थ है कि समस्या तकनीकी कम और इच्छाशक्ति की अधिक है।

भारत की परीक्षा प्रणाली का ढ़ांचा ही कई स्तरों पर कमजोर है। प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर वितरण तक की प्रक्रिया में निजी एजेंसियों और आउटसोर्स कर्मचारियों की बड़ी भूमिका रहती है। यही वह जगह है, जहां से माफिया नेटवर्क अपनी जड़ें जमाता है। जब प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र तक पहुंचने से पहले ही स्कैन होकर डिजिटल रूप में फैल सकता है तो यह स्पष्ट संकेत है कि सुरक्षा तंत्र केवल कागजों पर मजबूत है, जमीन पर नहीं। दूसरी ओर, कोचिंग उद्योग का अनियंत्रित विस्तार इस संकट को और गहरा कर रहा है। मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाएं अब हजारों करोड़ रुपये का बाजार बन चुकी हैं। इस बाजार में 'सफलता' एक उत्पाद है, जिसे खरीदने के लिए छात्र और अभिभावक किसी भी हद तक जाने को मजबूर हैं। इसी मानसिकता का फायदा उठाकर एजुकेशन माफिया 'सीक्रेट पेपर', '100 प्रतिशत सलेक्शन गारंटी' और ह्यइनसाइडर एक्सेससह्न जैसे झूठे वादों के जरिए पूरे सिस्टम को खोखला कर रहा है।

यदि नीट प्रकरण परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा पर सवाल खड़ा करता है तो सीबीएसई का ओएसएम विवाद मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर चोट करता है। डिजिटल मूल्यांकन को पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से लागू किया गया था लेकिन इसके परिणाम उलटे दिखाई दिए। पास प्रतिशत में गिरावट, मेधावी छात्रों को अपेक्षा से कम अंक मिलना और स्कैन की गई कॉपियों में भारी गड़बड़ियां, ये सब इस बात के संकेत हैं कि तकनीक को बिना पर्याप्त तैयारी और परीक्षण के लागू किया गया। कई छात्रों ने शिकायत की कि उनकी कॉपियां धुंधली थी, कुछ को गलत उत्तर पुस्तिकाएं मिली और कुछ मामलों में तो पूरी कॉपी ही किसी और की थी। यह स्थिति केवल तकनीकी त्रुटि नहीं मानी जा सकती बल्कि यह सरासर गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है। यदि एक छात्र की मेहनत को किसी दूसरे की कॉपी से बदल दिया जाए तो यह केवल गलती नहीं है बल्कि उस छात्र के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। शिक्षा मंत्रालय और बोर्ड भले ही इन खामियों को सीमित मामलों तक बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश करें लेकिन छात्रों में बढ़ता असंतोष इस बात का प्रमाण है कि समस्या व्यापक है।

तीसरी बड़ी घटना, एसएससी कांस्टेबल जीडी परीक्षा में धांधली, इस बात को और स्पष्ट करती है कि यह संकट किसी एक परीक्षा या संस्था तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में पेपर लीक, तकनीकी खराबी और प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण परीक्षा रद्द करनी पड़ी। ग्रेटर नोएडा में यूपी एसटीएफ द्वारा पकड़े गए रैकेट ने इस धांधली के आधुनिक रूप को उजागर किया। प्रॉक्सी सर्वर, स्क्रीन शेयरिंग ऐप्स और डमी कैंडिडेट्स के जरिए परीक्षा में हेरफेर किया जा रहा था। यह पारंपरिक नकल या पेपर लीक से कहीं अधिक खतरनाक है क्योंकि इसमें तकनीक का इस्तेमाल कर पूरी प्रणाली को भीतर से हैक किया जा रहा है। इन तीनों घटनाओं को एक साथ देखें तो एक भयावह तस्वीर उभरती है, एक ऐसी व्यवस्था, जहां प्रश्नपत्र सुरक्षित नहीं, मूल्यांकन विश्वसनीय नहीं और परीक्षा प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। सबसे अधिक पीड़ित वह छात्र है, जो ईमानदारी से मेहनत करता है। ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों छात्र, जिनके माता-पिता ने कर्ज लेकर या जमीन गिरवी रखकर उन्हें कोचिंग दिलाई, आज सबसे ज्यादा निराश हैं। एक परीक्षा रद्द होने का मतलब केवल दोबारा परीक्षा देना नहीं होता बल्कि यह मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और आत्मविश्वास के टूटने का कारण बनता है।

इस पूरे संकट का एक और खतरनाक पहलू है व्यवस्था के प्रति बढ़ता अविश्वास। जब छात्र यह मानने लगें कि सफलता मेहनत से नहीं बल्कि 'सेटिंग' से मिलती है तो यह केवल शिक्षा का नहीं बल्कि सामाजिक नैतिकता का भी पतन है। अब सवाल यह है कि समाधान क्या है? क्या हर बार जांच, गिरफ्तारी और बयानबाजी से काम चल जाएगा? स्पष्ट है कि नहीं। सबसे पहले परीक्षा प्रणाली में पूर्ण डिजिटल और एन्क्रिप्टेड मॉडल लागू करना होगा। प्रश्नपत्रों को परीक्षा से कुछ मिनट पहले तक सुरक्षित सर्वर में रखा जाए और सीधे केंद्रों पर डिजिटल रूप में उपलब्ध कराया जाए। इससे छपाई और परिवहन से जुड़ी कमजोरियां समाप्त होंगी। दूसरा, आउटसोर्सिंग व्यवस्था को सीमित करना होगा। संवेदनशील कार्यों में केवल प्रशिक्षित और जवाबदेह सरकारी कर्मचारियों की नियुक्ति होनी चाहिए। तीसरा, पेपर लीक को संगठित आर्थिक अपराध घोषित कर इसके लिए गैर-जमानती कठोर कानून बनाए जाएं। जब तक अपराधियों को कठोर सजा नहीं मिलेगी, तब तक यह धंधा बंद नहीं होगा। चौथा, साइबर निगरानी को मजबूत करना होगा। टेलीग्राम, डार्क वेब और एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय नेटवर्क को ट्रैक करने के लिए विशेष एजेंसियां बनाई जानी चाहिए। पांचवां, तकनीक को लागू करने से पहले उसका व्यापक परीक्षण और प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। सीबीएसई ओएसएम विवाद ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बिना तैयारी के लागू की गई तकनीक समाधान नहीं बल्कि नई समस्या बन सकती है।

सबसे महत्वपूर्ण है राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति। जब तक सरकार इस समस्या को 'राष्ट्रीय आपदा' की तरह नहीं देखेगी, तब तक आधे-अधूरे समाधान ही सामने आएंगे। नीट-यूजी 2026, सीबीएसई ओएसएम विवाद और एसएससी परीक्षा धांधली, ये घटनाएं चेतावनी हैं। यदि अब भी कठोर और स्थायी सुधार नहीं किए गए तो आने वाले समय में हर परीक्षा संदेह के घेरे में होगी। तब सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं होगी कि पेपर लीक हुआ बल्कि यह होगी कि देश के युवाओं का विश्वास पूरी तरह टूट जाएगा। और जिस राष्ट्र के युवा ही अपनी व्यवस्था पर विश्वास खो दें, उसके भविष्य की नींव कितनी कमजोर हो जाती है, यह समझना मुश्किल नहीं है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर तनाव, कथित अवैध नागरिकों को लेकर बीएसएफ और बीजीबी आमने-सामने

ढाका (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर कथित अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को लेकर एक असामान्य स्थिति देखने को मिली, जिसके बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के बीच कई दौर की बातचीत हुई। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पश्चिम बंगाल के पेट्रापोल सीमा क्षेत्र में कुछ लोगों को लेकर दोनों देशों की सीमा सुरक्षा एजेंसियों के बीच गतिरोध की स्थिति बन गई। रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तरी 24 परगना जिले के पेट्रापोल क्षेत्र स्थित जयंतिपुर बॉर्डर आउटपोस्ट के पास कुछ कथित बांग्लादेशी नागरिकों को सीमा के निकट नो-मैन्स लैंड क्षेत्र में देखा गया। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल बताए गए। इसके बाद बांग्लादेश की सीमा सुरक्षा एजेंसी बीजीबी ने मामले पर आपत्ति जाहिर की और संबंधित व्यक्तियों की नागरिकता तथा पहचान के सत्यापन की मांग की। बताया गया कि इस मुद्दे को लेकर दोनों देशों की सीमा सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों के बीच फ्लैग मीटिंग आयोजित की गई। हालांकि प्रारंभिक बातचीत में कोई स्पष्ट समाधान नहीं निकल सका और मामला कुछ समय तक लंबित रहा। बीजीबी अधिकारियों का कहना था कि किसी भी व्यक्ति को स्वीकार करने से पहले उसकी नागरिकता, पते और अन्य दस्तावेजों का उचित सत्यापन आवश्यक है। मामले के बाद सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता बढ़ा दी गई। बीजीबी ने अपनी ओर निगरानी तेज कर दी, जबकि बीएसएफ ने भी सीमावर्ती इलाकों में गश्त और निगरानी बढ़ाई। रिपोर्टों के अनुसार, दोनों पक्षों ने सीमा पर किसी भी तरह की अवैध गतिविधि को रोकने के लिए अतिरिक्त कदम उठाए हैं। यह घटनाक्रम तब आया है जब भारत और बांग्लादेश के बीच अवैध प्रवासन, सीमा प्रबंधन और नागरिकता सत्यापन जैसे मुद्दे चर्चा में हैं। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी व्यक्ति को वापस भेजने या स्वीकार करने की प्रक्रिया अंतरराष्ट्रीय नियमों और द्विपक्षीय प्रोटोकॉल के तहत ही पूरी की जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि सीमा से जुड़े इसतरह के मामलों में दोनों देशों के बीच समन्वय और सत्यापन प्रक्रिया बेहद महत्वपूर्ण होती है। फिलहाल संबंधित व्यक्तियों की पहचान और नागरिकता की पुष्टि को लेकर जांच और आधिकारिक प्रक्रिया जारी है, जबकि दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियां स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

जापान में 5 हजार भारतीय रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर

टोक्यो (एजेंसी)। जापान में भारतीय रेस्टोरेंट उद्योग इन दिनों गंभीर संकट से गुजर रहा है। देशभर में संचालित करीब 5 हजार भारतीय रेस्टोरेंट बढ़ती लागत, सख्त नियमों और श्रमिकों की कमी के कारण बंद होने की कगार पर पहुंच गए हैं। जापान में लगभग 69 हजार भारतीय रहते हैं, जिनमें बड़ी संख्या रेस्टोरेंट व्यवसाय से जुड़ी हुई है। भारतीय और नेपाली समुदाय द्वारा संचालित ये रेस्टोरेंट जापानी शहरों में करी और मसालेदार व्यंजनों के लिए लोकप्रिय हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने विदेशी कर्मचारियों को लेकर नियम कड़े कर दिए हैं। पहले जहां कुशल विदेशी श्रमिकों को अपेक्षाकृत आसानी से वीजा मिल जाता था, वहीं अब स्थायी निवास और रोजगार संबंधी शर्तें सख्त हो गई हैं। इसके साथ ही रेस्टोरेंट मालिकों पर कर और प्रशासनिक खर्च का बोझ भी बढ़ा है। कई व्यवसायियों का कहना है कि कमाई घट रही है, जबकि किराया, वेतन और अन्य खर्च लगातार बढ़ रहे हैं। भारतीय रेस्टोरेंट उद्योग में नेपाली कर्मचारियों की भी बड़ी भूमिका रही है, लेकिन नए नियमों के कारण श्रमिकों की उपलब्धता प्रभावित हुई है। इससे छोटे और मध्यम स्तर के रेस्टोरेंट सबसे अधिक दबाव में हैं। उद्योग से जुड़े लोगों का मानना है कि यदि सरकार ने राहत नहीं दी तो आने वाले वर्षों में बड़ी संख्या में भारतीय रेस्टोरेंट बंद हो सकते हैं, जिससे हजारों लोगों की आजीविका प्रभावित होगी और जापान में भारतीय खानपान की पहचान को भी झटका लग सकता है।

पश्चिम एशिया संघर्ष में चीन द्वारा ईरान की सैन्य मदद के नहीं मिले सबूत

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हाउस एप्रोप्रियेशन्स सबकमेटी की सुनवाई में कहा कि अमेरिका को ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है कि मौजूदा क्षेत्रीय संकट में चीन ने ईरान को सैन्य मदद की हो। रुबियो ने बताया कि उन्होंने बीजिंग से अपील की कि वह होर्मुज स?ट्रेट में नौवहन खुलवाने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का समर्थन करें। रुबियो ने कहा कि मैं कहूंगा कि चीन ने ईरान को किसी भी तरह की सहायता नहीं दी है और न ही उसने हमारे अभियानों या हमारी काम करने की क्षमता में कोई बाधा डाली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्री ने माना कि ईरान के पास चीन में बने कुछ सैन्य उपकरण हैं और दोनों देशों के बीच लंबे समय से संबंध हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि अमेरिका ने हाल के संघर्ष में चीन की ओर से ऐसी कोई गतिविधि नहीं देखी है जिससे युद्ध की स्थिति या सैन्य संतुलन पर कोई असर पड़ा हो। रुबियो ने चीन के रवैये को सावधानीपूर्ण बताया। उनका कहना था कि बीजिंग ने ईरान के साथ अपने व्यापक रणनीतिक संबंधों के बावजूद इस संकट में सीधे तौर पर शामिल होने से बचने की कोशिश की है। साथ ही रुबियो ने चीन से संयुक्त राष्ट्र में ज्यादा रचनात्मक भूमिका निभाने की अपील की, खासकर होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले समुद्री यातायात में आ रही बाधाओं को दूर करने के प्रयासों में। रुबियो के मुताबिक अमेरिका संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक प्रस्ताव का समर्थन कर रहा है, जिसका उद्देश्य इस अहम समुद्री मार्ग में पैदा हुई स्थिति का समाधान करना है। दुनिया के तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। रुबियो ने कहा कि अगर वास्तव में वे जलडमरूमध्य को बंद किए जाने के खिलाफ हैं, तो उन्हें इस प्रस्ताव का समर्थन करना चाहिए या कम से कम इससे दूरी बनाते हुए वीटो का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थिरता बहाल करने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए चीन के पास मजबूत आर्थिक कारण हैं, क्योंकि उसकी अर्थव्यवस्था वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर काफी निर्भर है।

रुबियो के नए दावे से पलटी थ्योरी, जीवित हैं मोजतबा खामेनेई!

वॉशिंगटन (एजेंसी)। वॉशिंगटन (ईएमएस)। भीषण संघर्षविराम की कोशिशों के बीच अमेरिका ने ईरानी सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई को लेकर एक ऐसा चौंकाने वाला दावा किया है, जो उसके अब तक के बयानों से बिल्कुल उलट है। अमेरिका अब तक लगातार यह कहता आया था कि मोजतबा खामेनेई अमेरिकी सैन्य हमले में मारे गए हैं या फिर वे इतने गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं कि अब सक्रिय नहीं हैं। हालांकि, अब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि मोजतबा खामेनेई न सिर्फ जीवित हैं, बल्कि सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आने के बावजूद देश के प्रशासनिक और रणनीतिक फैसलों में पहले से कहीं ज्यादा सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

अमेरिकी सीनेट की विदेश संबंध समिति के सामने बोलते हुए रुबियो ने स्पष्ट किया कि ऐसे पुख्ता संकेत मिले हैं कि खामेनेई पर्दे के पीछे से लगातार देश की निर्णय प्रक्रिया में शामिल हैं और ईरान के सरकारी मामलों में उनकी भागीदारी लगातार बढ़ रही है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इस साल 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल की ओर से किए गए संयुक्त सैन्य हमलों के दौरान खामेनेई घायल हो गए थे, जिसके बाद से वे सार्वजनिक मंचों पर दिखाई नहीं दिए हैं। हालांकि, अमेरिकी प्रशासन का अब मानना है कि वे किसी सुरक्षित स्थान से एन्क्रिप्टेड संचार माध्यमों और अपने बेहद भरोसेमंद नेटवर्क के जरिये सरकारी कामकाज की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं।

रुबियो का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच युद्धविराम को स्थायी रूप देने की कूटनीतिक कोशिशें जारी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि वॉशिंगटन अब भी तेहरान के साथ किसी समझौते की संभावना देख रहा है और हालात कभी भी सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट शर्तों का जिक्र करते हुए कहा कि अगर ईरान प्रतिबंधों में राहत चाहता है, तो उसे हॉर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलना होगा और अंतरराष्ट्रीय जहाजों की आवाजाही पर से सभी प्रतिबंध या शुल्क हटाने होंगे। साथ ही ईरान को यह भरोसा देना होगा कि वह हॉर्मुज स्ट्रेट में बिछाई गई बारूदी सुरंगों को हटाने में सहयोग करेगा।

इसके अलावा, अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर दीर्घकालिक सख्त सीमाओं को स्वीकार करे या यूरेनियम संवर्धन गतिविधियों को पूरी तरह समाप्त करे। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी संकेत दिया था कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने को लेकर जल्द कोई समझौता हो सकता है। हालांकि, ईरान ने फिलहाल मध्यस्थों के जरिए चल रही वार्ताओं को रोक रखा है। तेहरान का कहना है कि जब तक लेबनान में इजरायली सैन्य कार्रवाई बंद नहीं होती, तब तक किसी नई बातचीत का कोई औचित्य नहीं है।

कनाडा में भारत-पाकिस्तान से आने वाले आवेदनों की प्रोसेसिंग अवधि में हुआ सुधार

टोरंटो। कनाडा के इमिग्रेशन, रिफ्यूजीज़ एंड सिटिजनशिप कनाडा ने नए आवेदनकर्ताओं के लिए प्रोसेसिंग टाइम की ताजा जानकारी दी है। पहले से तय समय से तुलना करने पर पता चलता है कि भारत और पाकिस्तान से आने वाले कई आवेदनों की प्रोसेसिंग अवधि में सुधार हुआ है। वहीं, नाइजीरिया और अमेरिका से जुड़े कुछ आवेदन श्रेणियों में प्रतीक्षा अवधि बढ़ी है। वर्क परमिट आवेदनों में पाकिस्तान से आवेदन करने वालों के लिए प्रोसेसिंग टाइम 6 सप्ताह और भारत के लिए 9 सप्ताह किया गया है। कनाडा के अंदर से किए गए आवेदनों की प्रोसेसिंग 212 दिनों से घटकर 206 दिन हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नाइजीरिया के आवेदकों को बड़ा झटका लगा है। वहां वर्क परमिट की प्रोसेसिंग अवधि 6 सप्ताह से बढ़कर 12 सप्ताह हो गई है। अमेरिका और फिलीपींस के लिए समय सीमा 5 और 8 सप्ताह है। स्टडी परमिट के मामले में भी पाकिस्तान के आवेदकों को बड़ी राहत मिली है। वहां प्रोसेसिंग टाइम 11 सप्ताह से घटकर 7 सप्ताह कर दिया गया है। भारत के लिए यह अवधि 4 सप्ताह है। कनाडा के अंदर से किए गए स्टडी परमिट आवेदनों की प्रोसेसिंग अवधि 6 सप्ताह है। वहीं, नाइजीरिया में यह समय 5 सप्ताह से बढ़कर 6 सप्ताह हो गया है। अमेरिका और फिलीपींस के लिए प्रोसेसिंग टाइम 5 सप्ताह है। विजिटर वीजा आवेदनों में ज्यादातर देशों के लिए प्रोसेसिंग टाइम में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है। भारत के लिए यह अवधि 28 दिन कर दी गई है। अमेरिका के लिए 25 और फिलीपींस के लिए 20 दिन कर दी गई है। कनाडा के अंदर से किए गए विजिटर वीजा आवेदनों का प्रोसेसिंग टाइम 11 दिनों से बढ़कर 16 दिन हो गया है। पाकिस्तान के लिए यह अवधि 50 दिनों पर स्थिर रही, जबकि नाइजीरिया में यह 47 दिनों से बढ़कर 48 दिन हो गई। सुपर वीजा श्रेणी में भारत और पाकिस्तान के आवेदकों को सबसे बड़ा फायदा मिला है। भारत के लिए प्रोसेसिंग टाइम 160 दिनों से घटकर 117 दिन कर दिया है। वहीं पाकिस्तान में यह अवधि 107 दिनों से घटकर 75 दिन कर दी है। इसके विपरीत, अमेरिका से किए गए सुपर वीजा आवेदनों की प्रोसेसिंग अवधि 103 दिनों से बढ़कर 115 दिन हो गई है। नाइजीरिया में यह समय 35 से बढ़कर 37 दिन हुआ, जबकि फिलीपींस में यह 32 दिनों पर स्थिर रहा।

आयोवा नरसंहार- आखिर सुपरपावर अमेरिका में क्यों नहीं थम रहा खूनी खेल?

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के आयोवा राज्य का मस्कटाइन शहर मंगलवार की सुबह अंधाधुंध गोलियों की तड़तड़ाहट से दहल उठा। एक ही परिवार के 7 लोगों की बेरहमी से गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिसके बाद हमलावर ने खुद को भी उड़ा लिया। पुलिस के मुताबिक, यह खूनी खेल एक घरेलू विवाद का नतीजा था, जिसे 52 वर्षीय रायन विलिस मैकफारलैंड नामक शख्स ने अंजाम दिया। पार्क एवेन्यू के एक घर से शुरू हुआ मौत का यह सिलसिला मिल स्ट्रीट और ग्रैंडव्यू एवेन्यू तक जा पहुंचा। पुलिस ने जब संदिग्ध को घेरा, तो उसने खुद को गोली मार ली। पुलिस भले ही इसे घरेलू मामला बताकर पल्ला झाड़ ले कि अब समुदाय को कोई खतरा नहीं है, लेकिन इस भयावह घटना ने एक बार फिर दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश पर सबसे बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर दिया है आखिर अमेरिका में बार-बार मास शूटिंग क्यों हो रही है?

हथियारों की सनक या कानून की लाचारी?

आयोवा का यह नरसंहार कोई इकलौती घटना नहीं है। यह अमेरिकी समाज में गहरे धंस चुके गन कल्चर की उस सड़ी हुई हकीकत को बयां करता है, जहां मामूली विवादों का निपटारा भी बंदूकों से किया जाता है। आखिर ऐसा क्यों है कि अमेरिका में हर नागरिक के पास घातक हथियार रखने का अधिकार तो है, लेकिन उनकी सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है? हर बड़ी घटना के बाद वहां गन कंट्रोल (हथियार नियंत्रण) पर बहस तो छिड़ती है, लेकिन नतीजा सिफर रहता है। राजनीतिक नफा-नुकसान और हथियार लॉबी के दबाव के आगे अमेरिकी प्रशासन बेबस नजर आता है।

ओबामा की जिस डील पर ट्रंप भड़के थे अब उसी को अपना रहे राष्ट्रपति

-ईरान के साथ परमाणु समझौते पर चर्चा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राजनीति में शायद ही कोई ऐसा मुद्दा रहा हो, जिस पर डोनाल्ड ट्रंप ने बराक ओबामा की उतनी तीखी आलोचना की हो, जितनी 2015 की ईरान परमाणु डील को लेकर की थी। ट्रंप ने उस समय जॉइंट कॉम्प्रिहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन को अमेरिकी इतिहास का सबसे खराब समझौता बताया था। साल 2018 में राष्ट्रपति रहते हुए उन्होंने इस डील से अमेरिका को बाहर निकालकर इसे अपनी सबसे बड़ी विदेश नीति उपलब्धियों में गिनाया था। लेकिन अब हालात ऐसे बनते दिख रहे हैं कि ईरान के साथ नए समझौते की कोशिशों में ट्रंप को उसी पुराने मॉडल का सहारा लेना पड़ सकता है, जिसे उन्होंने कभी पूरी दुनिया के सामने नाकाम और खतरनाक करार दिया था। यही वजह है कि अमेरिका में एक नई राजनीतिक बहस छिड़ गई है कि क्या ट्रंप वास्तव में कोई नई और मजबूत डील बना रहे हैं या सिर्फ पुराने समझौते को ही नए पैकेज में पेश करने की कोशिश हो रही है।

दिलचस्प बात यह है कि ईरान के साथ चल रही मौजूदा बातचीत के कई बिंदु सीधे तौर पर ओबामा युग के जेसीपीओए की याद दिलाते हैं। प्रस्तावित समझौते में युद्धविराम बढ़ाने, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नई वार्ता शुरू करने जैसी शर्तें शामिल हैं। ट्रंप प्रशासन चाहता है कि ईरान अगले 20 साल तक यूरेनियम संवर्धन न करे और कभी परमाणु हथियार विकसित न करने की गारंटी दे, जिसे तेहरान फिलहाल खारिज कर रहा है। ट्रंप जब पहली बार राष्ट्रपति बने थे, तब उन्होंने दावा किया था कि ओबामा प्रशासन ने ईरान के सामने घुटने टेक दिए हैं और इस डील ने तेहरान को अरबों डॉलर दिए। लेकिन अमेरिका के पीछे हटने के बाद ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम को और तेज कर दिया। जहां 2015 की डील के तहत ईरान केवल 3.67 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन कर सकता था, वहीं आज वह 60 प्रतिशत तक संवर्धित यूरेनियम जमा कर चुका है, जो हथियार-ग्रेड स्तर के बेहद करीब है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वर्तमान वार्ता का पूरा ढांचा ओबामा युग की डील पर ही आधारित नजर आता है। दोनों में फर्क सिर्फ इतना है कि अब इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने की बात जोड़ी जा रही है। जानकारों के मुताबिक, ट्रंप इस बात को लेकर बेहद चिंतित होंगे कि उनकी डील की तुलना ओबामा की डील से न की जाए, क्योंकि उस समझौते को खत्म करना उनके पहले कार्यकाल की सबसे बड़ी पहचान थी। यदि नई डील में भी ईरान को प्रतिबंधों से राहत और जमे हुए अरबों डॉलर तक पहुंच मिलती है, तो ट्रंप के लिए अपने समर्थकों को यह समझाना मुश्किल होगा कि यह समझौता पुराने समझौते से किस तरह अलग और बेहतर है।

रूस ने यूक्रेन पर किया हमला, 23 की मौत, 90 घायल

- मिसाइल संकट ने बढ़ाई जेलेंस्की की चिंता

कीव (एजेंसी)। रूस ने मंगलवार देर रात यूक्रेन पर हाल के महीनों का सबसे बड़ा और विनाशकारी हवाई हमला किया है। सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों अत्याधुनिक मिसाइलों से कीव सहित पूरे देश को निशाना बनाया गया। इस भीषण हमले में कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई और 90 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यूक्रेनी वायुसेना द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, रूस ने इस हमले में 656 ड्रोन और 73 मिसाइलें दागीं। हालांकि, यूक्रेनी एयर डिफेंस सिस्टम ने मुस्तैदी दिखाते हुए कई खतरों को हवा में ही नष्ट कर दिया, लेकिन इसके बावजूद 54 ड्रोन और 33 मिसाइलें सुरक्षा कवच को भेदने में कामयाब रहीं, जिससे कई इलाकों में आवासीय इमारतें जमींदोज़ हो गईं। इस हमले ने यूक्रेन की सबसे बड़ी सैन्य कमजोरी को एक बार फिर दुनिया के सामने उजागर कर दिया है, जो कि पैट्रियट एंटी-बैलिस्टिक मिसाइलों की भारी कमी है।

पैट्रियट सिस्टम रूस की एडवांस बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में सबसे अचूक माना जाता है, लेकिन यूक्रेन के पास इसकी बेहद सीमित संख्या है। राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की ने भी खुलकर स्वीकार किया कि मौजूदा हथियार आपूर्ति के सहारे वे इतनी बड़ी संख्या में मिसाइलों को रोकने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने अमेरिका और यूरोपीय सहयोगियों से तुरंत सैन्य मदद की गुहार लगाई है।

पैट्रियट मिसाइलों की इस किल्लत के पीछे मुख्य वजह अमेरिका की सीमित उत्पादन क्षमता है। अमेरिका इस प्रणाली का मुख्य उत्पादक है, लेकिन उसकी सालाना उत्पादन क्षमता अभी सिर्फ 650 मिसाइलों के आसपास ही है। इसके अलावा, ईरान के साथ हालिया संघर्ष में अमेरिका और इजरायल द्वारा इन मिसाइलों का भारी इस्तेमाल किए जाने से वैश्विक स्टॉक और कम हो गया है। साथ ही, ट्रंप प्रशासन की अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत अमेरिका पहले अपनी आंतरिक सुरक्षा जरूरतें पूरी कर रहा है, जिसके कारण यूक्रेन को आपूर्ति मिलने में देरी हो रही है। बदलते हालात के बीच राष्ट्रपति जेलेंस्की ने व्हाइट हाउस और अमेरिकी कांग्रेस को पत्र लिखा है। अब तक यूक्रेन सीधे तौर पर तैयार हथियार मांग रहा था, लेकिन अमेरिका के पास घटते स्टॉक को देखते हुए अब जेलेंस्की ने मिसाइलों का प्रोडक्शन लाइसेंस मांगा है। यह कदम यूक्रेन की बढ़ती हताशा के साथ-साथ एक बड़े प्रतीकात्मक बदलाव को भी दिखाता है, जहां कभी हथियार मांगने वाला देश अब खुद निर्माण तकनीक की मांग कर रहा है। रूस इस स्थिति का फायदा उठाकर हमले तेज कर रहा है। यदि पश्चिमी देशों ने जल्द ही बड़े पैमाने पर मदद नहीं भेजी, तो यूक्रेन के शहरों पर तबाही का खतरा और गहरा सकता है।

कुवैत में अमेरिकी ठिकानों पर ईरान ने कर दिया हमला

कुवैत सिटी (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य टकराव के कारण खाड़ी क्षेत्र में तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। इस बीच एक बड़े घटनाक्रम में ईरान ने कुवैत में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है। इस दावे के बाद पूरे खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बेहद संवेदनशील हो गई है और कुवैत की सेना को हाई अलर्ट पर रख दिया गया है। बुधवार को कुवैत के कई हिस्सों में अचानक तेज धमाकों की आवाजें सुनाई देने से हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कुवैत की सेना के जनरल स्टाफ ने एक आधिकारिक बयान जारी कर स्थिति स्पष्ट की।

सेना ने पुष्टि की कि नागरिकों द्वारा सुनी गई धमाकों की आवाजें दरअसल उसके एयर डिफेंस सिस्टम की सक्रियता के कारण थीं। कुवैती सैन्य अधिकारियों के अनुसार, देश के एयर डिफेंस सिस्टम ने मुस्तैदी दिखाते हुए आसमान में ही दुश्मन की कई मिसाइलों और ड्रोनों को इंटरसेप्ट कर उन्हें सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। कुवैत की सेना ने अपने बयान में कहा, हमारा एयर डिफेंस सिस्टम इस समय दुश्मन के मिसाइल और ड्रोन हमलों का कड़ा मुकाबला कर रहा है। यदि आगे भी धमाकों की आवाजें सुनाई देती हैं, तो जनता पैनिक न हो, क्योंकि वे दुश्मन के हवाई हमलों को रोकने के लिए की जा रही जवाबी सैन्य कार्रवाई का ही परिणाम हैं।

इस हवाई कार्रवाई के बाद कुवैती सैन्य अधिकारियों ने नागरिकों और वहां रह रहे प्रवासियों के लिए एक सख्त एडवायजरी जारी की है। लोगों को हिदायत दी गई है कि वे आसमान से गिरने वाले किसी भी मलबे, छर्रों या अज्ञात वस्तुओं के पास बिल्कुल न जाएं, क्योंकि ये खतरनाक और जानलेवा हो सकते हैं। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी ने जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध वस्तु के दिखने पर तुरंत 112 आपातकालीन हॉटलाइन पर सूचित करें। साथ ही, उन्होंने लोगों से अफवाहों से बचने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने का आग्रह किया है। दूसरी तरफ, ईरान के सरकारी मीडिया ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया है कि कुवैत में मौजूद अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया है। ईरान का कहना है कि यह कार्रवाई फारस की खाड़ी, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और केश्म द्वीप पर अमेरिका द्वारा की गई शत्रुतापूर्ण हरकतों का सीधा बदला है। हालांकि, इन हमलों में अमेरिकी ठिकानों को कितना नुकसान पहुंचा है, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। फिलहाल कुवैत की सेना पूरी स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है।

700 मर्दों ने किया दुष्कर्म- ब्रिटिश सांसद ने संसद में बताया पीड़िताओं का दर्द

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में कथित तौर पर सक्रिय रहे ग्रूमिंग गैंग और बाल यौन शोषण के मामलों को लेकर एक बार फिर चौंकाने वाले और बेहद दर्दनाक खुलासे हुए हैं। ब्रिटिश सांसद रूपर्ट लोव ने संसद में दिए गए अपने संबोधन में कई पीड़िताओं की गवाहियों का हवाला देते हुए बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि वर्षों तक संगठित गिरोहों ने नाबालिग लड़कियों का बेरहमी से यौन शोषण किया और इस पूरी अवधि के दौरान प्रशासनिक व संस्थागत स्तर पर भी गंभीर लापरवाहियां और विफलताएं देखने को मिलीं।

सांसद रूपर्ट लोव ने संसद के सामने इन मामलों को रखते हुए कहा कि एक स्वतंत्र जांच के दौरान जो गवाहियां सामने आईं, वे इतनी भयावह थीं कि उन्हें सार्वजनिक रूप से सामने लाना बेहद जरूरी था। उन्होंने संसद से पूरी ईमानदारी के साथ अपील की कि इन बहादुर पीड़िताओं की आवाज को अनसुना न किया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

सरकार की पूर्व जांच रिपोर्टों और इन गवाहियों के अनुसार, देश के विभिन्न हिस्सों में नाबालिग लड़कियों को निशाना बनाने वाले इन आपराधिक गिरोहों में मुख्य रूप से पाकिस्तानी मूल के कुछ टैक्सी ड्राइवर और दुकानदार शामिल थे। संसद में पेश की गई इन गवाहियों में गंभीर यौन शोषण, बेहद कम उम्र में जबरन प्रेगनेंसी, डराने-धमकाने और स्थानीय पुलिस के कथित दुर्व्यवहार का ज़िक्र किया गया है। लोव ने कहा कि दुनिया को वह सब सुनना चाहिए जो स्वतंत्र रेप गैंग जांच की दो हफ्तों की सुनवाई के दौरान सामने आया है।

संसद में जो गवाहियां रखी गईं, उनमें से एक पीड़िता ने अपनी दर्दनाक आपबीती बताते हुए कहा कि जब वह महज 12-13 साल की थी, तब उसके साथ अमानवीय तरीके से जबरदस्ती की गई। वहीं, एक अन्य पीड़िता की गवाही के अनुसार, आरोपियों द्वारा नस्लवादी टिप्पणियां भी की जाती थीं। एक अन्य दिल दहला देने वाले बयान में पीड़िता ने दावा किया कि जब वह 13 साल की थी, तब से लेकर अगले तीन सालों के दौरान सैकड़ों अलग-अलग पुरुषों ने उसका यौन उत्पीड़न किया। एक अन्य पीड़ित ने बताया कि बंधक बनाकर रखी गई लड़कियों को अमानवीय स्थितियों में पिंजरों तक में बंद करके रखा जाता था।

इस पूरे ग्रूमिंग गैंग पैटर्न की बात करें तो वर्ष 2025 में रूपर्ट लोव के नेतृत्व में हुई एक निजी जांच के दौरान पूरे यूके के कम से कम 85 इलाकों में इस तरह के गैंग आधारित बाल यौन शोषण की पहचान की गई थी। जांच रिपोर्टों के मुताबिक, इस नेटवर्क में एक खास पैटर्न और सरकारी संस्थाओं की घोर लापरवाही साफ तौर पर देखी जा सकती है। ब्रिटेन में इस तरह के ग्रूमिंग गैंग्स का इतिहास पुराना रहा है। सबसे पहले 2002 में वेस्ट यॉर्कशायर के कीथली क्षेत्र से ऐसी चेतावनी सामने आई थी। इसके बाद साल 2010 में साउथ यॉर्कशायर के रॉदरहैम में कम उम्र की लड़कियों के साथ हुए अपराधों के मामले में एक समूह को दोषी ठहराया गया था, जिसके बाद इस पूरे संगठित नेटवर्क और इसके तौर-तरीकों का देशव्यापी खुलासा हुआ था।

कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है।

कर्नाटक की यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग, आप भी जरूर करें एक्सप्लोर

दक्षिण भारत देश का खूबसूरत और प्रमुख हिस्सा माना जाता है। दक्षिण भारत में कर्नाटक एक ऐसा राज्य है, जिसको पर्यटन का मुख्य केंद्र माना जाता है। यह एक ऐसा राज्य है, जहां पर हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक घूमने और मौज-मस्ती के लिए आते हैं। कर्नाटक में गोकर्ण, कूर्ग, बेंगलुरु, हम्पी और मैसूर जैसी फेमस जगहों पर घूमने के लिए सबसे ज्यादा संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं।

हालांकि इन जगहों की खूबसूरती पर्यटकों को बहुत आकर्षित करती है, लेकिन कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको अंगुबे की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आपको जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अंगुबे

बता दें कि यह खूबसूरत और मनमोहक हिल स्टेशन कर्नाटक के शिमोगा जिले में पड़ता है। अंगुबे को एक बेहद खूबसूरत गांव के साथ ही यहां का शानदार और छिपा हुआ खजाना भी माना जाता है।

अगुंबे कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से करीब 345 किमी दूर स्थित है। वहीं यह उडुपी से करीब 60 किमी दूर, मंगलूरू से 100 किमी और कर्नाटक के चिकमंगलूर से करीब 112 किमी की दूरी पर मौजूद है।

अंगुबे की खासियत

अंगुबे में ऐसी अनगिनत खासियत है, जो पर्टयकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यह समुद्र तल से करीब 2 हजार से अधिक फीट की ऊंचाई पर स्थित अंगुबे को कर्नाटक का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। वहीं यह कर्नाटक का सबसे हसीन और खूबसूरत हिल स्टेशन्स में से एक माना जाता है।

अंगुबे न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। इसलिए इसको प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत भी माना जाता है। अंगुबे को कर्नाटक का चेरापूंजी भी कहा जाता है। क्योंकि यहां पर खूब बारिश होती है। इस हिल स्टेशन की खूबसूरती के आगे हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड भी फीके लगते हैं।

जानिए क्यों है खास

सैलानियों के लिए अंगुबे बेहद ही खास और अद्भुत पर्यटन स्थल है। यह जगह उन लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है, जो प्रकृति से प्रेम करते हैं। यह अपने शांत वातावरण के लिए भी जाना जाता है।

अंगुबे हिल स्टेशन न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि एडवेंचर के लिए भी जाना जाता है। कई पर्यटक यहां पर हाईकिंग, ट्रैकिंग और कैंपिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। यहां पर स्थित सबसे ऊंची बिंदू से फोटोग्राफी करना हर किसी का सपना होता है।

अगुंबे सनसेट पॉइंट

जब भी अंगुबे में किसी शानदार जगह घूमने की बात होती है, तो सबसे पहले अंगुबे सनसेट पॉइंट की बात होती है। यह सबसे लोकप्रिय पॉइंट है, जहां से पूरे शहर का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है। वहीं यहां से सनसेट और सनराइज का नजारा काफी मनमोहक होता है।

जोगीगुंडी फॉल्स

अंगुबे में स्थित यह जगह जोगीगुंडी फॉल्स बेहद शानदार और अद्भुत खजाने से कम नहीं है। हर दिन दर्जन से अधिक पर्यटकों को यह खूबसूरत वॉटरफॉल आकर्षित करता है। इस वॉटरफॉल के आसपास काफी हरियाली है। बताया जाता है कि इसका पानी एक गुफा से निकलता है और मानसून का समय यहां पर घूमने के लिए सबसे बेस्ट है।

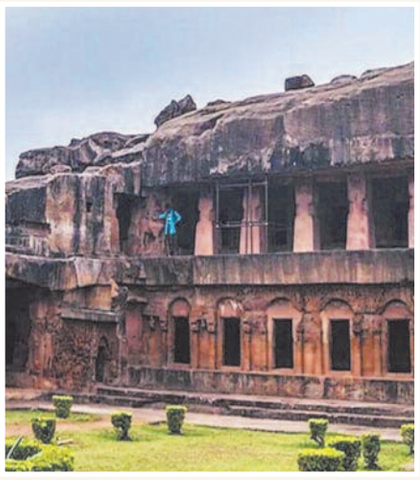

ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक समृद्धि का केंद्र है कपूरथला शहर

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है।

कपूरथला, पंजाब राज्य का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर है, जो अपनी भव्य वास्तुकला, शाही इतिहास और अद्भुत पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर न केवल पंजाब, बल्कि पूरे भारत में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है। कपूरथला का सांस्कृतिक वैभव, ऐतिहासिक किले, महल और खूबसूरत बगीचे यहाँ आने वाले पर्यटकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं। आइए जानते हैं कपूरथला के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. कपूरथला महल

कपूरथला का सबसे प्रमुख आकर्षण है कपूरथला महल, जिसे ़फपंजाबी वर्सायफ़ के नाम से भी जाना जाता है। यह महल फ्रांसीसी वास्तुकला से प्रेरित है और इसकी भव्यता और आकर्षण पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। महल के अंदर शानदार कमरे, खूबसूरत गैलरी और विस्तृत बगीचे हैं।

महल की संरचना और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि इसे कपूरथला का प्रमुख पर्यटन स्थल बनाती है। यहाँ का बगीचा और झील पर्यटकों को शांति और सौंदर्य का अनुभव कराते हैं।

2. शाही मस्जिद

कपूरथला में स्थित शाही मस्जिद एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है, जो अपनी अद्भुत वास्तुकला और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। इस मस्जिद को कपूरथला के तत्कालीन शाही परिवार द्वारा बनवाया गया था। मस्जिद का शाही और भव्य रूप पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहाँ की आंतरिक सजावट और विस्तृत बगीचों में भ्रमण करते हुए लोग शांति का अनुभव करते हैं।

3. सुंदरबाग

सुंदरबाग, कपूरथला का एक और प्रमुख आकर्षण है। यह बगीचा कपूरथला महल के पास स्थित है और इसकी सुंदरता पर्यटकों को बेहद आकर्षित करती है। यहाँ की हरियाली, फूलों की सुगंध और शांत वातावरण आपको एक अद्भुत अनुभव प्रदान करते हैं। सुंदरबाग में घूमने से पर्यटकों को पंजाब की प्राकृतिक सुंदरता का अहसास होता है।

4. कपूरथला ज्यूडिशियल किला

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है। किले के चारों ओर फैला हरित क्षेत्र और इसके प्राचीन कक्ष पर्यटकों को बहुत आकर्षित करते हैं।

5. गुलाबबाग

कपूरथला का गुलाबबाग एक शानदार बगीचा है, जो विशेष रूप से अपनी गुलाब की झाड़ियों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ विभिन्न प्रकार के गुलाबों का संग्रह देखने को मिलता है, जो बाग को एक अद्वितीय सुंदरता प्रदान करते हैं। गुलाबबाग की सैर करते हुए पर्यटक गुलाबों की खूबसूरती और बाग के शांत वातावरण का आनंद लेते हैं। यह स्थान फूलों के शौकिनों के लिए आदर्श है।

6. चरणबीर बाग

चरणबीर बाग कपूरथला का एक ऐतिहासिक बाग है, जो अपने अद्भुत सौंदर्य और शाही संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है। इस बाग में कई आकर्षक फूल और पेड़-पौधे हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बाग में स्थित ऐतिहासिक स्मारक और शाही महल इस स्थान को और भी खास बनाते हैं। यहाँ घूमते हुए पर्यटक प्रकृति के साथ-साथ इतिहास की समृद्धि को भी महसूस कर सकते हैं।

7. फव्वारा

फव्वारा कपूरथला के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह एक खूबसूरत और आकर्षक फव्वारा है, जो शहर के बीच स्थित है। इसके आसपास का माहौल और पानी के बहाव का दृश्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। यहाँ पर अक्सर लोग आराम करने के लिए आते हैं और शहर की हलचल से दूर शांति का अनुभव करते हैं।

8. शहीदी स्मारक

कपूरथला के शहीदी स्मारक में भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। यह स्मारक उन वीर शहीदों की याद में बनवाया गया था जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। यह स्थल इतिहास प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण और शिक्षाप्रद स्थल है।

कपूरथला एक ऐसा शहर है, जहाँ ऐतिहासिक धरोहर, शाही महल, धार्मिक स्थल और प्राकृतिक सुंदरता का अद्भुत मिश्रण है। कपूरथला महल, शाही मस्जिद, सुंदरबाग और गुलाबबाग जैसे स्थल इस शहर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक समृद्धि को दर्शाते हैं। यहाँ आने वाले पर्यटक न केवल पंजाब की लोक कला और संस्कृति से परिचित होते हैं, बल्कि वे यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर का भी आनंद लेते हैं। अगर आप इतिहास, वास्तुकला और प्रकृति प्रेमी हैं, तो कपूरथला की यात्रा आपके लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हो सकती है।

ओडिशा की प्राचीन धरोहर हैं उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं।

ओडिशा राज्य के भुवनेश्वर शहर के निकट स्थित उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ प्राचीन भारतीय कला, संस्कृति और धार्मिकता का अद्भुत उदाहरण हैं। ये गुफाएँ न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि शिल्पकला और वास्तुकला के दृष्टिकोण से भी अत्यधिक मूल्यवान हैं। उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ जैन धर्म से संबंधित हैं और ये गुफाएँ 2,000 साल पुरानी मानी जाती हैं। इन गुफाओं को देखकर हम प्राचीन भारत की धार्मिक आस्थाओं और उनकी जीवनशैली के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का इतिहास

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ मुख्य रूप से जैन साधुओं द्वारा vst शताब्दी ईसा पूर्व में बनाई गई थीं। इन गुफाओं का निर्माण शासक कुमारगुप्त I के शासनकाल में हुआ था, जो गुप्त साम्राज्य के सम्राट थे। यह गुफाएँ उनके द्वारा प्रोत्साहित किए गए धार्मिक और सांस्कृतिक उद्देश्यों के तहत बनाई गई थीं। उदयगिरी का नाम उदय यानी सूर्योदय से जुड़ा हुआ है, जबकि खंडगिरी का अर्थ है खंडित पर्वत , जो यहाँ की पर्वत श्रृंखलाओं की विशेषता को दर्शाता है।

उदयगिरी गुफाएँ

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं। यहाँ की गुफाओं में जैन धर्म से संबंधित चित्रकला और मूर्तिकला का अद्भुत उदाहरण देखने को मिलता है।

उदयगिरी की गुफाओं में प्रमुख गुफा हाथी गुफा है, जिसका नाम यहाँ की हाथी के आकार की मूर्ति के कारण पड़ा। इसके अलावा, गांधार गुफा भी प्रसिद्ध है, जहां एक बड़ी मूर्ति और शिलालेख पाए जाते हैं। ये गुफाएँ जैन साधुओं द्वारा ध्यान और तपस्या के लिए इस्तेमाल की जाती थीं। यहाँ की दीवारों और छतों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र आज भी उस समय के कला और शिल्प कौशल की गवाही देती हैं।

खंडगिरी गुफाएँ

खंडगिरी गुफाएँ उदयगिरी के पास स्थित हैं और यहाँ कुल 15 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं का आकार उदयगिरी की गुफाओं से थोड़ा अलग है, और इनका निर्माण भी जैन साधुओं द्वारा ध्यान और पूजा के उद्देश्य से किया गया था। खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनके अनुशासन की छवियाँ उकेरी गई हैं। खंडगिरी की एक प्रसिद्ध गुफा रानी गुफा है, जिसे शाही गुफा भी कहा जाता है। यह गुफा अपनी सुंदर वास्तुकला के लिए जानी जाती है। इसमें एक शाही परिवार की मूर्तियाँ और चित्रकला देखने को मिलती हैं। यहाँ की अन्य गुफाओं में साधारण साधुओं के चित्र और मूर्तियाँ हैं जो उनके जीवन की गाथाएँ बयान करती हैं।

शिल्पकला और मूर्तिकला

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र शिल्पकला और मूर्तिकला का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। यहाँ पर जैन धर्म से संबंधित कई दृश्य और भगवान महावीर की मूर्तियाँ, जो कि जैन धर्म के प्रमुख तीर्थंकर हैं, देखने को मिलती हैं। गुफाओं में शिलालेख भी पाए जाते हैं, जो उस समय की धार्मिक और सांस्कृतिक जीवनशैली के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।

इन गुफाओं की शिल्पकला में रचनात्मकता और सूक्ष्मता दिखाई देती है। उदाहरण के लिए, उदयगिरी की हाथी गुफा में उकेरी गई हाथी की मूर्ति और खंडगिरी की रानी गुफा में शाही सजावट इसकी विशेषता हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का धार्मिक महत्व

इन गुफाओं का धार्मिक महत्व बहुत अधिक है, खासकर जैन धर्म के अनुयायियों के लिए। इन गुफाओं में ध्यान और साधना के लिए विशेष स्थान बनाए गए थे। यहाँ की मूर्तियाँ और चित्र जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनकी आस्थाओं को व्यक्त करते हैं। इन गुफाओं के माध्यम से हम जैन धर्म के इतिहास, विचारधारा और आस्था को समझ सकते हैं।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषिकेश स्थित ट्रांजिट कैंप का किया औचक निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को ऋषिकेश स्थित ट्रांजिट कैंप का औचक निरीक्षण कर चारधाम यात्रा एवं रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने यात्रियों के पंजीकरण, स्वास्थ्य जांच, ठहरने की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने बड़ी संख्या में अन्य राज्यों से आए श्रद्धालुओं से यात्रा का फीडबैक भी लिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बेहतर भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि चारधाम यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने सभी कर्मचारियों को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की सलाह देते हुए कहा कि चारधाम यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं का अतिथि देवो भवः की भावना के साथ स्वागत करें तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने ट्रांजिट कैंप में श्रद्धालुओं के लिए की गई पंजीकरण व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए की श्रद्धालुओं को रजिस्ट्रेशन के लिए इंतजार ना करना पड़े। उन्होंने स्वास्थ्य जांच केंद्रों का निरीक्षण कर यात्रियों के स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान देने को बात कही। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। बढ़ती गर्मी को देखते हुए उन्होंने ट्रांजिट कैंप में अतिरिक्त कुलर लगाने तथा पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने ट्रांजिट कैंप में मौजूद श्रद्धालुओं से भी संवाद कर यात्रा व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश एवं बिहार सहित विभिन्न राज्यों से आए यात्रियों ने चारधाम यात्रा के लिए की गई व्यवस्थाओं की सराहना की। श्रद्धालुओं ने पंजीकरण, स्वास्थ्य जांच, आवास एवं अन्य सुविधाओं को संतोषजनक बताया।

यात्रियों ने व्यवस्थाओं को सराहा

उत्तर प्रदेश से आई कामिनी ने कहा कि वह गुरुवार से अपनी चार धाम यात्रा शुरू करेंगी। आज सुबह उन्होंने रजिस्ट्रेशन करवा लिया है। वह सुबह से ही ट्रांसिट कैंप में बैठी हैं, वहां कूलर, पंखे, पानी की पर्याप्त व्यवस्था है उन्होंने बताया साथ ही टीवी में रामायण चलने से उनका समय भी अच्छा बीत रहा है। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ से आए शुभम ने बताया कि ह्लवो अपने 3 दोस्तों के साथ चार धाम यात्रा से वापस ऋषिकेश लौटे आए हैं, आज सुबह से ही वह ट्रांजिट कैंप में हैं। उन्होंने अपनी यात्रा शुरू भी ट्रांसिट कैंप से की थी, जहां उन्हें सुविधा इतनी अच्छे लगी की वह लौटते समय भी यहां ठहरने के लिए आए हैं। मध्य प्रदेश से आए ओमप्रकाश ने बताया कि वह भी सुबह ही ट्रांजिट कैंप पहुंचे हैं और आगे की यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने ट्रांजिट कैंप में ही अपना भोजन किया और स्वास्थ्य जांच करवाई। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना की।

होम स्टे संचालकों ने लगाया उत्पीड़न का आरोप

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लैंसडौन विधानसभा क्षेत्र में सरकारी योजना के तहत संचालित हो रहे होम स्टे के संचालकों ने पेयजल निगम पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई है। संचालकों का कहना है कि पर्यटन सीजन के दौरान उन्हें नोटिस भेजकर अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है। चेतावनी दी कि यदि यह सिलसिला नहीं रुका तो वे निगम के खिलाफ आंदोलन शुरू करेंगे। बुधवार को होम स्टे समिति के बैनर तले जयहरीखाल में आयोजित बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की गई। समिति के अध्यक्ष विक्की रावत ने कहा कि सरकार युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से होम स्टे योजना को बढ़ावा दे रही है। क्षेत्र के अनेक युवाओं ने बड़े शहरों की नौकरियां छोड़कर गांवों में होम स्टे व्यवसाय शुरू किया है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पेयजल निगम स्वरोजगार को बढ़ावा देने के बजाय होम स्टे संचालकों को नोटिस भेजकर परेशान कर रहा है। हाल ही में कई संचालकों को पेयजल कनेक्शन संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं, जबकि अधिकांश कनेक्शन स्वयं विभाग द्वारा ही स्वीकृत और स्थापित किए गए हैं। ऐसे में बार-बार जानकारी मांगे जाने से विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बैठक में क्षेत्र के एक होम स्टे को अब तक पेयजल कनेक्शन उपलब्ध नहीं कराए जाने पर भी रोष व्यक्त किया गया। वक्ताओं ने कहा कि पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करना विभागों की जिम्मेदारी है।

बैठक में सूर्य बड़थ्वाल, मधुकांत नेगी, आकाश सुंद्रियाल, पंकज कुमार सहित कई होम स्टे संचालक मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि यदि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को बाध्य होंगे।

एक नजर

देवाल में टैक्सी किराये की फर्जी सूची वायरल

चमोली। सोशल मीडिया पर टैक्सी किराये की एक सूची वायरल हुई है जिसमें 20 से 25 फीसदी तक की बढ़ोतरी दिखाई जा रही है। इस सूची से स्थानीय जनता में आक्रोश है। हालांकि, टैक्सी यूनियनों और प्रशासन ने इसे फर्जी बताया। वायरल सूची में देवाल–देहरादून और देवाल–हल्द्वानी जैसे मुख्य मार्गों पर 200 रुपये तक की वृद्धि का उल्लेख है। थराली, मुंदोली, लोहाजंग और वाण सहित कई ब्रांच रूटों पर भी बढ़ाया हुआ किराया दर्शाए है।

जय बधाण टैक्सी यूनियन देवाल के अध्यक्ष इंद्र सिंह बिष्ट और जय लाटू देवता टैक्सी यूनियन लोहाजंग के अध्यक्ष खीम राम ने इस सूची को फर्जी बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि किराये में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। लोगों ने इस मामले की शिकायत सहायक संभागीय अधिकारी से भी की। खीम राम ने फर्जी सूची जारी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश राम ने इसे अवैध वसूली बताया। उन्होंने प्रशासन और टैक्सी यूनियनों से बैठक कर किराया सुनिश्चित करने की मांग की।वहीं एआरटीओ कर्णप्रयाग अभिषेक भटगाईं का कहना है कि विभाग की ओर से कोई किराया नहीं बढ़ाया गया है। वायरल सूची फर्जी है। उन्होंने लोगों से बढ़े हुए किराये का भुगतान न करने की अपील की। कहा कि अधिक किराया वसूलने वाले टैक्सी चालकों पर कार्रवाई की जाएगी।

नई टिहरी में सात जून को नहीं आएगा पानी

नई टिहरी। नई टिहरी नगर क्षेत्र में सात जून को पानी की आपूर्ति पूरी तरह बाधित रहेगी जबकि आठ जून को शहर में आंशिक रूप से जलापूर्ति की जाएगी। जल संस्थान ने शहरवासियों से आवश्यकतानुसार पहले से पानी का भंडारण करने की अपील की है। जल संस्थान के ईई प्रशांत भारद्वाज ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नई टिहरी पंपिंग पेयजल योजना के अंतर्गत स्थापित पेयजल भंडारण टैंकों की सफाई और अनुरक्षण कार्य किया जाना है। इसके लिए सात जून को शहर की जलापूर्ति पूरी तरह बंद रखी जाएगी।

अनुरक्षण कार्य पूरा होने के बाद आठ जून को आंशिक रूप से पानी की आपूर्ति बहाल की जाएगी। पानी की आपूर्ति प्रभावित रहने के दौरान उपभोक्ताओं को जरूरत पड़ने पर टैंकरों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। बताया पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए टैंकों की सफाई और अनुरक्षण कार्य जरूरी है।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायकों ने की भर्ती की मांग

उत्तरकाशी। योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायक का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके सैकड़ों बेरोजगार युवाओं ने प्रदेश में लंबे समय से लंबित भर्ती प्रक्रिया को लेकर आवाज बुलंद कर दी है। मंगलवार को युवाओं ने गंगोत्री विधायक सुरेश सिंह चौहान को ज्ञापन सौंपते हुए योग व प्राकृतिक चिकित्सा सहायकों के 500 स्थायी पदों पर जल्द भर्ती शुरू करने की मांग की। प्रशिक्षित युवा शुभम मराठा, दीपक महर, देवेंद्र महर, गौरव जोशी, पंकज महर, अनिल व्यास, आकृति पंवार, सोनम रावत ने कहा कि सैकड़ों युवाओं ने योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायक का रोजगारपरक प्रशिक्षण प्राप्त किया है लेकिन प्रशिक्षण पूर्ण होने के बावजूद उन्हें रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाए हैं।इससे प्रशिक्षित युवा लंबे समय से बेरोजगारी का सामना कर रहे हैं। वर्तमान में प्रदेश के 13 जिलों में केवल 13 अभ्यर्थियों को ही सरकारी सेवा में नियुक्ति मिल सकी है जबकि बड़ी संख्या में प्रशिक्षित अभ्यर्थी भर्ती विज्ञप्ति जारी होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वहीं, विधायक सुरेश चौहान ने उनकी मांगों को गंभीरता से लेते हुए उचित स्तर पर विषय को उठाने का आश्वासन दिया।

जनसमस्याओं के समाधान को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

उत्तरकाशी। क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर समाजसेवी सुमन बडोनी ने डीएम को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने डीएम को सौंपे ज्ञापन में बताया कि आधार सेवा केंद्र पिछले करीब डेढ़ सप्ताह से बंद पड़ा है जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही हाल ही में हुई ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को राहत प्रदान करने के लिए प्रभावित क्षेत्रों का सर्वेक्षण कर उचित मुआवजा देने, नगर क्षेत्र में लंबे समय से बनी पेयजल समस्या के स्थायी समाधान करने, बड़ेथी बाईपास सहित विभिन्न स्थानों पर बंद पड़ी नालियों की सफाई कर उचित जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। वहीं, डीएम प्रशांत आर्य ने जनसमस्याओं का जल्द ही निस्तारण करने आश्वासन दिया।

बीएलओ को दिया विशेष गहन पुनरीक्षण का प्रशिक्षण

उत्तरकाशी। गंगोत्री और यमुनोत्री विधानसभा क्षेत्र के सुपरवाइजरों व बूथ लेवल अधिकारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में एसडीएम शालिनी नेगी व एसडीएम बृजेश तिवारी की मौजूदगी में मास्टर ट्रेनर्स ने बीएलओ को निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां और तकनीकी बारीकियां बताईं। प्रशिक्षण के दौरान मतदाता सूची को शत–प्रतिशत त्रुटिरहित बनाने, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, अपात्र मतदाताओं के नाम हटाने और युवाओं व दिव्यांगजनों को मतदान के प्रति जागरूक करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही बीएलओ की शंकाओं का समाधान कर उन्हें जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए।

कर्म विभूषण सम्मान समारोह में प्रो. डॉ. सोनिया नित्यानंद सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। लखनऊ : राजधानी लखनऊ के विश्वेश्वरैया सभागार में सनातन महापरिषद भारत एवं राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में ह्लकर्म विभूषण सम्मान समारोह 2026ह्व का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, राज्य मंत्री रजनी तिवारी, सुरेश राही, राकेश राठौर, पूर्व मंत्री स्वाति सिंह सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पत्रकारों, समाज सेवियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं अन्य विशिष्ट व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा ने पत्रकारों की सुरक्षा और सम्मान के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता दोहराई। वहीं, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता डॉ. ए.पी. सिंह ने लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, राज्य मंत्री रजनी तिवारी,

राज्य मंत्री सुरेश राही, राज्य मंत्री राकेश राठौर, पूर्व मंत्री स्वाति सिंह, मंत्री विजय लक्ष्मी एवं भाजपा युवा नेता धीरज सिंह उपस्थित रहे। समारोह का मुख्य आकर्षण केजीएमयू की कुलपति प्रो. डॉ. सोनिया नित्यानंद को ह्लकर्म विभूषण 2026ह्व सम्मान प्रदान किया जाना रहा। उन्हें चिकित्सा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व गृह सचिव उत्तर प्रदेश एस.के. रघुवंशी, वरिष्ठ अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट एस.पी. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक सी.एम. नौटियाल, प्रो. डॉ. शैली महाजन, योगी महेंद्रनाथ गोरक्षधाम, दिल्ली के सुपरिटेंडिंग इंजीनियर वी.के. जोशी, रूपेश जैतली, चार्टर्ड अकाउंटेंट उत्तम कुमार शर्मा, अधिवक्ता राधेश्याम गुप्ता, सामाजिक कार्यकर्ता संदीप दुबे, वरिष्ठ अधिकारी राजर्षि मुखर्जी, हिमांशु पांडेय, विशाल जालान, शोभित शुक्ला, राजेंद्र सिंह भाकुनी, ईशांत प्रताप सेंगर, ईशू प्रताप सिंह एवं पुष्पेंद्र पांडेय सहित कई विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान सनातन महापरिषद भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष सी.एम. पांडेय ने कुलपति प्रो. डॉ. सोनिया नित्यानंद से पत्रकारों के लिए हेल्प डेस्क स्थापित करने की मांग रखी। कुलपति ने आश्वासन दिया कि इस विषय को शासन स्तर तक पहुंचाकर सकारात्मक पहल की जाएगी। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा ने पत्रकारों की सुरक्षा एवं सम्मान को लेकर संगठन की प्रतिबद्धता दोहराई। इस मौके पर अर्चना तिवारी, डॉ. कल्पना वर्मा, डॉ. किरण उपाध्याय, अनिल मिश्रा, कंचन सुंडली, उपेंद्र तिवारी, गरिमा तिवारी, लक्ष्मी सिंह, माधवी सिंह, बृजेश पांडेय, आनंद त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

जनसमस्याओं को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर के अंतर्गत लोस्तु बडियारगढ़ के ग्रामीणों ने बिजली, पानी, गैस समेत कई जनसमस्याओं के समाधान की मांग के लिए प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि लंबे समय से विभिन्न गांवों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है, जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप गोदियाल ने कहा कि छाम से खलियाणी गांव, सिल्काखाल के फतडु से रतगाली, बडियारगढ़ से कांडा को सड़क से न जोड़े जाने से लोगों को आवाजाही में दिक्कतें हो रही हैं। इसके अलावा लोस्तु बडियारगढ़ में कई जगह हर घर नल योजना के तहत पाइप लाइन बिछाई गई, लेकिन इससे पेयजल आपूर्ति सुचारु नहीं है। साथ ही बिजली की क्षतिग्रस्त लाइन व पुराने खंभों को अभी तक नहीं बदला गया है। रसोई गैस की भी दिक्कत बनी है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

लंबे इंतजार बाद टिहरी झील में फिर शुरू हुआ मत्स्य आखेट

नई टिहरी। लंबे इंतजार के बाद टिहरी बांध की झील में फिर से मत्स्य आखेट शुरू गया हैं। अब झील में केज कल्चर (जालीदार पिंजरों में मछली पालन) की भी तैयारी शुरू हो गई है। प्रदेश सरकार ने देहरादून की स्काईपी टेक कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड के साथ 10 वर्षों के लिए अनुबंध किया है। कंपनी झील में मत्स्य आखेट के साथ ही 1200 स्थानों पर जालीदार पिंजरों के माध्यम से मछली पालन भी करेगी। इससे झील में सालभर पर्याप्त मात्रा में मछली उपलब्ध रहने की उम्मीद जताई जा रही है। करीब 42 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली टिहरी बांध की झील प्रदेश की सबसे बड़ी जलाशयों में से एक है। यहां व्यावसायिक मत्स्य पालन और आखेट के लिए सरकार ने निविदा प्रक्रिया के माध्यम से अनुबंध किया है। कंपनी ने झील में अपनी गतिविधियां शुरू कर दी हैं। वर्तमान में औसतन 70 से 80 क्विंटल मछली प्रतिमाह उपलब्ध हो रही है। झील में करीब 1200 स्थानों पर केज कल्चर स्थापित किया जा रहा है। केज कल्चर के तहत झील में पानी के भीतर जालीदार पिंजरे लगाए जाते हैं। उनमें मछलियों का पालन किया जाता है। इससे प्राकृतिक मत्स्य संसाधनों पर दबाव कम पड़ता है। टिहरी झील में कॉमन कार्प, रोहू, कतला और नैनी प्रजाति की मछलियां प्रचुर मात्रा में पाई जाती है। केज कल्चर शुरू होने से प्रजातियों के उत्पादन में भी वृद्धि होने की उम्मीद है। कंपनी को इस कार्य के लिए प्रदेश सरकार को प्रतिवर्ष 60 लाख का राजस्व शुल्क भी देना होगा। वरिष्ठ मत्स्य निरीक्षक आमोद नौटियाल ने बताया कि भागीरथी और भिलंगना घाटी क्षेत्र में पीपलडाली और डोबरा में दो आउटलेट एवं स्टोर स्थापित किए गए हैं।

बोर्ड परीक्षा के मेधावी छात्राओं को किया सम्मानित

नई टिहरी। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की परिषदीय परीक्षा वर्ष 2025–26 में ब्लॉक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली इंटरमीडिएट की छात्रा दिव्या को 10 हजार, कक्षा 10 वीं की छात्रा अनुराधा भट्ट को 10 और श्रद्धा गौड़ को 7500 रूपये की धनराशि, स्मृति चिन्ह के साथ प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया है। ईशा फाउंडेशन के संस्थापक इंद्रजीत नेगी व निदेशक भूपेंद्र नेगी ने बताया कि फाउंडेशन ने गढ़वाल मंडल के 11 सरकारी विद्यालयों को गोद लिया है। फाउंडेशन की ओर से विद्यालय में समग्र शैक्षिक व सह पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 15 हजार की धनराशि, प्रमाणपत्र और स्मृति चिन्ह के लिए विद्यालय की पूर्व प्रधानाचार्य उषा मेहरा और वर्तमान प्रभारी प्रधानाचार्य अनामिका को विशेष सम्मान से नवाजा गया।

मुख्यमंत्री घोषणाओं के तहत स्वीकृत निर्माण कार्यों में तेजी लाएं

चमोली : मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने बुधवार को विकास भवन सभागार में मुख्यमंत्री घोषणाओं की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की। उन्होंने सभी विभागों को जनहित के कार्यों में समन्वय के साथ कार्य करने, गतिमान परियोजनाओं में तेजी लाने, शासन स्तर पर लंबित प्रकरणों का नियमित फॉलोअप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।मुख्य विकास अधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी निर्माण कार्य की डीपीआर तैयार करने से पूर्व चयनित स्थल का जियोलॉजिकल सर्वे एवं मृदा परीक्षण अनिवार्य रूप से कराया जाए, ताकि भविष्य में निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की तकनीकी अथवा भू-गर्भीय समस्या उत्पन्न हो। बैठक में उन्होंने आवास विभाग को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री घोषणाओं के अंतर्गत निर्मित होने वाली पार्किंगों के कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण कराए जाएं। जिन पार्किंग स्थलों का चयन भू-गर्भीय दृष्टि से उपयुक्त नहीं पाया गया है, उनके लिए शीघ्र नए स्थलों का चयन किया जाए। लोक निर्माण विभाग को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत प्रस्तावित मोटर मार्गों का सर्वेक्षण शीघ्र पूर्ण कर डीपीआर शासन को प्रेषित की जाए तथा स्वीकृत मार्गों के निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए।

बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को विशेष गहन पुनरीक्षण का दिया प्रशिक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : जनपद रुद्रप्रयाग में बुधवार को ऊखीमठ ब्लॉक सभागार सहित विकासखण्ड जखोली में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत बूथ लेवल अधिकारियों एवं बीएलओ सुपरवाइजरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में निर्वाचन कार्य से जुड़े विशेषज्ञों द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां विस्तार पूर्वक दी गईं।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने बूथ लेवल अधिकारियों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, मतदाता विवरण में संशोधन करने तथा घर-घर सत्यापन अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इसके साथ ही निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए कार्यों को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं समयबद्ध तरीके से संपादित करने के निर्देश भी दिए गए। विशेषज्ञों ने बताया कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए शुद्ध एवं

त्रुटिरहित मतदाता सूची अत्यंत आवश्यक है। इसलिए सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर अपने दायित्वों का गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सूची में शामिल होना सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी योग्य मतदाता अपने मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। कार्यक्रम में शामिल अधिकारियों को निर्वाचन संबंधी विभिन्न प्रपत्रों के सही उपयोग, ऑनलाइन पोर्टल पर डाटा अपलोड करने की प्रक्रिया, फील्ड सत्यापन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों तथा आमजन से समन्वय स्थापित कर कार्य करने के बारे में भी जानकारी दी गई।

प्रशासन ने गंगोत्री धाम में बांस लगाकर किए गंगा घाट बंद

उत्तरकाशी। गंगोत्री धाम के मुख्य भागीरथी शिला के मुख्य स्नान घाट से लेकर बड़े पत्थर की ओर स्नान घाटों पर प्रशासन की ओर से सुरक्षा को देखते हुए बांस के डंडों को बांधकर बंद कर दिया गया है। इसका गंगोत्री धाम के तीर्थ पुरोहितों ने विरोध किया है। उनका कहना है कि जिला प्रशासन की ओर से अपनी जिम्मेदारियों से बचने के लिए स्नान घाटों को बंद कर दिया है।बीते शनिवार को चेन्नई की एक 45 वर्षीय महिला यात्री की गंगा स्नान करते हुए नदी में बहने से मौत हो गई थी। उससे पूर्व में एक पुरुष और महिला यात्री नदी के तेज वेग में बह गए थे। घटनाओं को देखते हुए प्रशासन की ओर से गंगोत्री धाम में मुख्य स्नान घाट सहित अन्य घाटों का बांस लगाकर बंद कर दिया गया है। इसका गंगोत्री धाम के तीर्थ पुरोहितों ने विरोध किया है।उनका कहना है कि गंगोत्री धाम के दर्शन कर रहे यात्री गंगा स्नान व पूजा पाठ से वंचित हो रहे हैं। लंबे समय से घाटों की स्थिति सुधारने की मांग की जा रही थी लेकिन प्रशासन की ओर से उस ओर किसी प्रकार का कदम नहीं उठाया गया। घाटों को बंद कर अपनी जिम्मेदारी से बच रहे हैं। अगर घाटों को चारधाम यात्रा से पहले व्यवस्थित कर दिया जाता तो इस प्रकार की घटनाएं नहीं होती।

हादसे में मृत चारों लोगों की हुई शिनाख्त, क्रेन से बाहर निकाली गई कार, तीन लापता

नई टिहरी ऋषिकेश–बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार को हुए दर्दनाक हादसे में नदी से बरामद किए गए चारों शवों की पहचान कर ली गई है। देवप्रयाग कोतवाल प्रशांत बहुगुणा ने बताया कि देवप्रयाग पहुंचे परिजनों ने मृतकों की शिनाख्त डॉ. दिनेश पंवार 27 वर्ष पुत्र लोडा राम, कमला देवी 62 वर्ष पत्नी लोडा राम और अक्षेषा 22 वर्ष पुत्री हरीश परिहार के रूप में की है, जो सभी दरिया नाथ की बावड़ी, जैसलमेर राजस्थान के निवासी थे। जबकि चालक की पहचान अमित गुप्ता 32 वर्ष पुत्र अजय गुप्ता, निवासी लक्सर हरिद्वार के तौर पर हुई है। पुलिस ने सभी मृतकों का श्रीनगर बेस अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव शोकाकुल परिजनों को सौंप दिए हैं। इधर, बुधवार को पुलिस और रेस्क्यू टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद गंगा की तेज धारा में डूबी इनोवा कार को क्रेन की मदद से बाहर निकाल लिया है। कार के भीतर किसी का शव नहीं मिला है, जिसके बाद एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों ने दुर्घटनास्थल के समीप ही गंगा में डीप डाइविंग के जरिए अपना सर्च ऑपरेशन और तेज कर दिया है।

मोदी सरकार के कार्यकाल में देश ने तरक्की के नए आयामों को छुआ

उत्तरकाशी। भाजपा की ओर से जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें केंद्र सरकार के 12 साल की उपलब्धियों पर वक्ताओं ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में देश ने तरक्की के नए आयामों को छुआ है। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने 2027 विधानसभा चुनाव में उत्तरकाशी जनपद की तीनों विधानसभा जीतने का संकल्प दोहराया। पार्टी कार्यालय ज्ञानसू में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश चौहान ने कहा कि चारों ओर विकास स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। जनता ने जिस तरह भरोसा और विश्वास के साथ नरेंद्र मोदी को देश का प्रधानमंत्री बनाया उस भरोसा और विश्वास को प्रधानमंत्री ने 12 साल निरंतर अपने समय का पाल–पाल और शरीर का कण कण इस देश को समर्पित किया है। जिला सह प्रभारी विनोद रतूड़ी ने कहा कि पांच से 20 जून तक मोदी सरकार की उपलब्धियां को बताया जाएगा। विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम व 21 जून को योग दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष नागेंद्र चौहान, दर्जाधारी रामसुंदर नौटियाल, पूर्व प्रमुख विनीता रावत आदि उपस्थित रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

पहली बार भारतीय टीम की मेजबानी करेगा अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड

-सितंबर में खेली जाएगी तीन मैचों की सीरीज

मुम्बई (एजेंसी)। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) अपनी घरेलू सीरीज के लिए पहली बार भारत की मेजबानी करने जा रहा है। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की ये टी20 सीरीज इसी साल सितंबर में नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेली जाएगी। हालांकि अभी कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है पर माना जा रहा है कि 13, 16 और 19 सितंबर को ये मुकाबले होंगे। एसीबी अपने देश में राजनीतिक अस्थिरता और सुरक्षा चिंताओं के कारण पिछले एक दशक से अपने घरेलू मुकाबले भारत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में आयोजित करता आ रहा है। बीसीसीआई और एसीबी के बीच अच्छे संबंध हैं, बीसीसीआई ने पूर्व में भी आयरलैंड, श्रीलंका और जिम्बाब्वे जैसे छोटे बोर्डों की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए कई बार सीरीज खेली हैं

अफगानिस्तान की टीम अभी 6 जून से भारतीय टीम के साथ एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। वहीं इसके बाद वह भारतीय टीम की मेजबानी करना चाहती है। इसको लेकर दोनों बोर्डों के बीच सहमति बन गयी है और कुछ औपचारिकताओं के पूरे होते ही इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी।यदि अफगानिस्तान की टीम सितंबर में अरुण जेटली स्टेडियम में टीम इंडिया की मेजबानी करती है, तो दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के कार्यक्रम में बदलाव किया जा सकता है। बीसीसीआई ने एसीबी और दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के बीच इस सीरीज के लिए अफगानिस्तान को घरेलू मैदान की उपलब्धता को लेकर मध्यस्थता की है। वहीं डीडीसीए भी अपनी दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 का कार्यक्रमक इसी के अनुसार तैयार कर रहा है। यह पहला अवसर नहीं होगा जब अफगानिस्तान ने भारत के किसी स्टेडियम को अपने घरेलू मैदान के रूप में इस्तेमाल किया हो। इससे पहले, अफगानिस्तान ने 2017 में ग्रेटर नोएडा में आयरलैंड की मेजबानी की थी और फिर 2018 में देहरादून में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज की मेजबानी की थी।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में फ्लाप रहीं मंधाना

-तीन मैचों में केवल 40 रन बना पायीं

-स्मृति मंधाना के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड, पहली बार हुआ ऐसा हाल

टांटन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में भी असफल रहीं और 9 गेंदों में 8 रन ही बना पायी।

इसी के साथ ही मंधाना के नाम एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भूलना चाहेंगी। इस सीरीज में वह केवल 40 रन ही बना पायीं। यह इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज में मंधाना का अब तक का सबसे कम स्कोर है। इस पूरी सीरीज में मंधाना का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। पहले मुकाबले में वह खाता भी नहीं खोल पायीं। दूसरे टी20 में उन्होंने 32 रन जबकि तीसरे और अंतिम मैच में 8 रन बनाये। ये इंग्लैंड के खिलाफ किसी भी तीन टी20 मैचों की सीरीज में उनका अब तक का सबसे कम स्कोर है। इससे पहले उनका इंग्लैंड के खिलाफ न्यूनतम सीरीज स्कोर 57 रन था, जो उन्होंने 2021 में बनाया था।

अंतिम टी20 में मंधाना ऑफ स्पिनर चार्ली डीन का शिकार बनीं। इस विकेट के साथ ही ऑफ स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ मंधाना की कमजोरी एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है। चार्ली डीन के खिलाफ टी20 मैचों में मंधाना का रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। उन्होंने डीन के खिलाफ अब तक 59 गेंदें खेली हैं, जिनमें केवल 49 रन बनाए हैं और दो बार अपना विकेट खोया है। यह दिखाता है कि ऑफ स्पिनर मंधाना के लिए लगातार परेशानी का कारण बनी हुई हैं।

फैंचाइजी के लिए बेहद महंगे साबित हुए ऋषभ, हर रन लाखों रुपये का पड़ा

मुम्बई (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स क्रिकेट टीम के कप्तान ऋषभ पंत आईपीएल के 19 वें सत्र में असफल रहे। वह फ्रैंचाइजी के लिए बेहद महंगे साबित हुए। उनके एक-एक रन के लिए उसे लाखों रुपये चुकाने पड़े। ऋषभ कप्तानी के साथ ही बल्लेबाजी में भी विफल रहे। इससे उनकी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और टीम अंकतालिका में अंतिम स्थान पर रही। एक बल्लेबाज और कप्तान के तौर पर ऋषभ अपनी टीम को कोई लाभ नहीं पहुंचा सके। यहां तक कि उगर उनको मिलने वाली रकम का आंकलन करें तो फ्रैंचाइजी के लिए उनका हर एक रन लाखों रुपये का पड़ा है। ये सामने आया है कि ऋषभ के एक-एक रन की कीमत लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए करीब 8.65 लाख रुपये रही। उन्हें 27 करोड़ रुपये पर रखा गया था। कप्तान ने 14 मैचों में कुल 312 रन बनाए। इस प्रकार देखा जाये तो उनका प्रति रन 8,65,384 रुपये का रहा है।

पिछले साल आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में फ्रैंचाइजी ने ऋषभ को 27 करोड़ रुपये में खरीदा था। उस सत्र में, उन्होंने 14 मैचों में केवल 269 रन बनाए थे। इन आंकड़ों के आधार पर, 2025 में उनके प्रत्येक रन की कीमत 10 लाख 3 हजार 717 रुपये से भी अधिक रही थी, जिसने फ्रैंचाइजी के लिए वह काफी महंगे साबित हुए थे।

अगर हम पिछले दो सत्र के प्रदर्शन को एक साथ देखें, तो ऋषभ ने कुल 54 करोड़ रुपये की सैलरी पर 581 रन बनाए हैं। इस प्रकार, उनके हर एक रन की औसत कीमत 9 लाख 29 हजार 432 रुपये प्रति रन बैठती है। यह आंकड़ा लीग के सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक होने के बाद भी उनके बेहद खराब प्रदर्शन को दिखाता है।

उनकी कप्तानी में, टीम 2025 में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई, और 2026 में भी यही हुआ। वह अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रही। 2026 में सुपर जायंट्स ने 14 में से सिर्फ 4 मैच जीते, जबकि 2025 में 6 मुकाबले। कुल 28 मैचों में से केवल 10 जीत का खराब रिकॉर्ड उनके कप्तानी छोड़ने का मुख्य कारण बताया है।

मुंबई टी20 लीग: अर्जुन तेंदुलकर ने ऑलराउंड प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिलायी

मुम्बई (एजेंसी)। यहां खेली जा रही मुंबई टी20 लीग में अर्जुन तेंदुलकर ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। इससे पहले आईपीएल में एक ही मैच खेल पाये अर्जुन ने यहां हुए चौथे मुकाबले में 'एआरसीएस अंधेरी' की ओर से खेलते हुए अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत दिलायी। अर्जुन ने इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए छक्का जड़कर अपनी टीम को 14 ओवरों में ही जीत दिला दी। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर की सोबो मुंबई फाल्कन्स को 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में में फाल्कन्स की टीम 18.2 ओवर में केवल 126 रन ही बना पायी। एआरसीएस अंधेरी की ओर से शिवम दुबे ने 17 रन देकर 3 विकेट और अजय मिश्रा ने 27 रन देकर 3 विकेट लिए।

इसके बाद एआरसीएस अंधेरी ने 14 ओवर में ही 5 विकेट खोकर 127 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस मुकाबले में एआरसीएस अंधेरी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए सोबो मुंबई फाल्कन्स को 18.2 ओवर में केवल 126 रनों पर ही समेट दिया। फाल्कन्स की

शुरुआत अच्छी नहीं रही।

सलामी बल्लेबाज ईशान मूलचंदानी सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गये। वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर भी केवल 5 रन ही बना पाये। आदित्य तारे ने इसके बाद 39 गेंदों में 6 चौके व 2 छक्कों की मदद से शानदार 59 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज विफल रहे। अर्जुन तेंदुलकर ने 3 ओवर में केवल 21 रन देकर वेदांत गोरे को 4 रनों पर ही पेवेलियन भेज दिया। सोबो मुंबई फाल्कन्स की पूरी टीम 18.2 ओवर में केवल 126 रनों पर ही आउट हो गयी।

जीत के लिए मिले 127 रनों के आसान से लक्ष्य का पीछा करने उतरी एआरसीएस अंधेरी की शुरुआत भी खराब रही। आयुष जेठवा शुन्य पर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद सलामी बल्लेबाज दिव्यांश सक्सेना ने पारी संभाली और 33 गेंदों में 4 चौके व 3 छक्के लगाकर 50 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं प्रगनेश ने 26 रन जबकि प्रसाद पवार ने 21 रन बनाये। कप्तान शिवम दुबे 16 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अर्जुन तेंदुलकर ने तेजी से बल्लेबाजी कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। उन्होंने दो गेंदों में एक छक्के के साथ नाबाद 7 रन बनाकर टीम को 14 ओवर में ही 5 विकेट पर 127 रनों तक पहुंचा दिया।

पांड्या सीओई पहुंचे, रोहित का हो रहा इंतजार

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले रिहैब के लिए बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) पहुंचने को कहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार पांड्या तो यहां पहुंच गये हैं पर रोहित अब तक नहीं पहुंचे हैं।एकदिवसीय सीरीज के लिए दोनों खिलाड़ी भारतीय दल में शामिल हैं हालांकि इनकी भागीदारी का फैसला फिटनेस पर निर्भर करेगा। एक रिपोर्ट के पांड्या एक हफ्ते से अधिक समय तक अपनी रिकवरी प्रक्रिया पूरी करेंगे, जिसके बाद वह भारतीय टीम के साथ जुड़ेंगे। वहीं आईपीएल के दौरान रोहित भी हैमस्ट्रिंग इंजरी का शिकार हुए थे जबकि पांड्या भी चोट के चलते मुंबई इंडियंस के लिए कुछ मैचों में अनुपस्थित रहे थे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने इन दोनों खिलाड़ियों को उनकी फिटनेस का आंकलन करने और रिहैब प्रक्रिया से गुजरने के लिए सीओई में बुलाया था। वहां उनकी शारीरिक दक्षता का परीक्षण किया जाएगा। इसमें रिहैब के बाद अगर ये पूरी तरह फिट पाए जाते हैं, तो ही आगामी एकदिवसीय सीरीज में खेलेंगे।रोहित का पूरा ध्यान अगले साल होने वाले एकदिवसय विश्व कप पर केंद्रित है। वहीं, हार्दिक भी एकदिवसीय और टी20 पर ही ध्यान दे रहे हैं। पांड्या ने पिछले साल मार्च में भारत के लिए आखिरी बार एकदिवसीय मैच खेला था, और उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे श्रृंखला 13 जून से शुरू होगी। पहला वनडे धर्मशाला में 13 जून को खेला जाएगा। दूसरा मैच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 17 जून को और तीसरा मैच 20 जून को चेन्नई में खेला जाएगा।

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में भारत के प्रज्ञाननंदा जीते, गुकेश हारे

ओस्लो। यहां आयोजित नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में भारत को मिली जुली सफलता मिली है। जहां भारतीय युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और मेजबान देश नार्वे के मैग्नस कार्लसन को शिकस्त दी। वहीं भारत के ही डी गुकेश को फ्रांस के अलीरेज़ा फ़िरोजा के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा है। प्रज्ञाननंदा की खिताबी उम्मीदें बनी हुई हैं पर गुकेश की समाप्त हो गयी हैं। प्रज्ञाननंदा ने कार्लसन को क्लासिकल बाजी में उन्हें दूसरी बार मात दी अब उनके इस टूर्नामेंट में पहले भारतीय चैंपियन बनने की उम्मीदें बढ़ी हैं। एलीट डबल राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता में इसभारतीय खिलाड़ी ने पहले भी कार्लसन को क्लासिकल बाजी में शिकस्त दी थी। इस जीत से प्रज्ञानानंदा अब 12 अंक लेकर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं दूसरी ओर इस हार से कार्लसन की आठवीं बार नॉर्वे शतरंज खिताब जीतने की उम्मीदें टूटी हैं। अब केवल दो दौर का खेल बचा हुआ है और ऐसे में मौजूदा चैंपियन कार्लसन का जीतना संभव नहीं है। वहीं दूसरी ओर गुकेश की तीसरी हार के साथ ही उनके खिताब जीतने की उम्मीदें तकरीबन खत्म हैं। गुकेश को फ्रांस के अलीरेज़ा फ़िरोजा ने क्लासिकल मुकाबले में हराया। इससे अलीरेज़ा 13 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। गुकेश के अभी केवल आठ अंक हैं और वह अपने अगले दो मैचों में क्लासिकल में जीतने पर भी अधिकतम 14 अंक तक ही पहुंच सकते हैं।

महिला टी20 विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया की पेरी तीन मैच खेलते ही बनाएंगी विश्व रिकार्ड

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एलिस पेरी के पास इसी माह 13 जून से इंग्लैंड में शुरु हो रहे महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर है। ऑलराउंडर पेरी इस टूर्नामेंट में पहले तीन मैच खेलते ही विश्वकप में 50 मैच खेलने वाली पहली खिलाड़ी बन जाएंगी। इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया टीम 13 जून को मैनचेस्टर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। पेरी साल 2009 से ही ऑस्ट्रेलिया की हर टीम में शामिल रही हैं। पेरी ने अब तक 47 विश्व कप मैच खेले हैं। उन्हें अपने 50 मैच पूरे करने के लिए केवल तीन और मैचों की जरुरत है। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस टूर्नामेंट में खिताबी दावेदार के तौर पर उतरेगी। टीम में तेज गेंदबाज डार्सी ब्राउन की जगह बाएं हाथ की नयी गेंदबाज लूसी हैमिल्टन को शामिल किया गया है। जो एक हैरानी भरा कदम है क्योंकि ब्राउन को दो विश्वकप का अनुभव है। ऑस्ट्रेलियाई टीम में बेथ मूनी, एश गार्डनर, ताहलिया मैकग्रा और मेगन शट जैसी अनुभवी और मैच विजेता खिलाड़ी शामिल हैं। इसके साथ ही फोबे लिचफील्ड और जॉर्जिया वोल जैसी युपा खिलाड़ियों को भी पहली बार टीम में जगह मिली है। ये युवा खिलाड़ी टीम में नई ऊर्जा और उत्साह लाएंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम को टी20 विश्व कप के लिए ग्रुप 1 में रखा गया है। इसमें उसे दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड से मुकाबला करना है। टीम इस प्रकार है- सोफी मोलिनक्स (कप्तान), निकोला कैरी, एश गार्डनर, किम गार्थ, लूसी हैमिल्टन, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहम। ट्रैवलिंग रिज़र्व- ताहलिया विल्सन।

फीफा विश्व कप 11 जून से , मेसी और रोनाल्डो का हो सकता है अंतिम टूर्नामेंट

-सबसे अधिक गोल का मिरोस्लाव का रिकार्ड टूटेगा या नहीं देखना होगा

सेन डियागो (एजेंसी)। 11 जून अमेरिका, कनाडा और मैक्सिकों में संयुक्त रुप से शुरु हो रहे फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 में अब कुछ ही दिन बचे हैं। इस टूर्नामेंट में एक बार फिर फुटबॉल प्रशंसकों को रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेंगे। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो जैसे स्टार खिलाड़ियों का ये अंतिम विश्वकप हो सकता है क्योंकि ये दोनो ही 40 साल के करीब पहुंच रहे हैं। है। मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना जहां अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी। वहीं ब्राजील सहित अन्य टीमें भी जीत दर्ज करने का पूरा प्रयास करेंगी। फीफा विश्वकप इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियो का रिकार्ड इस बार टूटता है कि नहीं ये देखना होगा। अब तक विश्वकप में सबसे अधिक गोल का रिकार्ड जर्मनी के महान स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोस का है। मिरोस्लाव ने साल 2002 से 2014 तक चार विश्व कप में में कुल 24 मुकाबलों में 16 गोल दागे। इस फुटबॉलर ने साल 2002 और 2006 में पांच-पांच गोल किए, जबकि 2010 में चार और अपने करियर

के अंतिम विश्व कप में दो गोल किये।

ब्राजील के रोनाल्डो सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 1994 से 2006 के बीच विश्व कप में कुल 15 गोल किए। ये गोल उन्होंने केवल 19 मुकाबलों में किये, जो उनकी असाधारण प्रतिभा को दिखाता है। 2002 के विश्व कप में रोनाल्डो ने अकेले आठ गोल दागकर ब्राजील को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी, और उस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन असाधारण रहा था।

फ्रांस के जस्टन फोंटेन का नाम एक अद्वितीय रिकॉर्ड के साथ जुड़ा है, जिसे तोड़ना आज भी असंभव सा लगता है। उन्होंने 1958 के विश्व कप में सिर्फ छह मुकाबलों में अविश्वसनीय 13 गोल दागकर फुटबॉल जगत को हैरान कर दिया था। यह किसी एक विश्व कप में किसी खिलाड़ी द्वारा किए गए सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड है, जो आज तक कायम है।

आधुनिक फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में से एक, अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी भी इस सूची में शामिल हैं। 2022 में अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को विश्व चैंपियन बनाने वाले मेसी ने 2006 से 2022 तक विश्व कप में अब तक कुल 13 गोल किए हैं। कतर में खेला गया पिछला विश्व कप बेहद यादगार रहा, जहां उन्होंने सात गोल करके अपनी टीम को खिताब दिलाया और अपने करियर की सबसे बड़ी ट्रॉफी जीती।

फ्रांस के युवा सनसनी किलियन एमबाप्पे ने वह अब तक विश्व कप के 14 मुकाबलों में 12 गोल कर चुके हैं, जिसमें पिछले विश्व कप में उनके आठ गोल शामिल हैं, जिसके लिए उन्हें गोल्डन बूट से नवाजा गया था।

अंडर-18 पुरुष एशिया कप : भारत ने चीनी ताइपे को दी करारी हार, सेमीफाइनल में पहुंचा

काकामिगाहारा (जापान)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को यहां अपने आखिरी पूल ए मैच में चीनी ताइपे को 13-1 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया और अंडर-18 एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत ने कजाखस्तान, कोरिया और चीनी ताइपे के खिलाफ जीत के साथ अपने पूल मैच खत्म किए जबकि मेजबान जापान से उसे हार का सामना करना पड़ा। इससे टीम को चार मैच में नौ अंक मिले। चीनी ताइपे के खिलाफ टीम ने आक्रामक रूख अपनाया जिसमें आशीष तानी पूर्ति ने हैट्रिक (27वें, 35वें, 42वें मिनट) करके सबसे अच्छा प्रदर्शन किया जबकि गाजी खान (40वें, 44वें), सिद्धार्थ बेन (30वें, 52वें) और राहुल यादव (20वें, 54वें) ने दो-दो गोल किए। करण गौतम (सातवें), प्रेमचंद सोय (11वें), कप्तान केतन कुशवाहा (13वें) और वरिंदर सिंह (50वें) ने भी गोल किए। भारत शुक्रवार को अपना सेमीफाइनल खेलेगा लेकिन टीम के प्रतिद्वंद्वी का फैसला बुधवार को जापान और कजाखस्तान के बीच पूल ए के आखिरी मैच के बाद होगा।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे एकदिवसीय में पाकिस्तान को 41 रन से हराकर सीरीज में 1-1 से वापसी की

लाहौर। जोश इंगलिस और कैमरन ग्रीन की अच्छी बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में मेजबान पाकिस्तान को 41 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। वहीं पहले एकदिवसीय में पाक टीम जीती थी। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए इस दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 231 रन बनाये। इंगलिस ने 51 जबकि ग्रीन ने 53 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान पाक टीम 44 ओवर में केवल 190 रनों पर ही आउट हो गयी। इस मैच में टॉस जीतकर पाकिस्तान ने मेहमान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही, जहां पहली ही गेंद पर ओपनर एलेक्स कैरी शाहीन अफरीदी का शिकार बने और बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इसके बाद मैथ्यू शॉर्ट 15 और मार्नस लाबुशेन 5 रन बनाकर आउट हो गए। इससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 10.4 ओवर में 3 विकेट पर 51 रन हो गया। इसके बाद कप्तान जोश इंगलिस और कैमरन ग्रीन ने पारी को संभाला। इंगलिस ने 74 गेंदों में 51 रनों की कप्तानी पारी खेली, जबकि ग्रीन ने 92 गेंदों में 53 रन बनाए। मैट रेनशॉ ने तेजी से 43 गेंदों में 43 रन और ओलिवर पीक ने 32 गेंदों में 31 रनों का योगदान दिया, जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 231 रन बनाने में सफल रही। पाकिस्तान की ओर से शाहीन अफरीदी ने 3 विकेट जबकि स्पिनर अराफात मिन्हास ने 10 ओवर में 27 रन देकर 2 अहम विकेट लिए। अबरार अहमद और हारिस रऊफ को भी 2-2 विकेट मिले। जीत के लिए 232 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम की शुरुआत भी खराब रही। सलामी बल्लेबाज साहबजादा फरहान 3 और माज सदाकत 0 पर आउट हो गए। अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम भी केवल 16 रन बनाकर अपना विकेट खो बैठे। विकेटकीपर गाजी गोरी ने 37 रन बनाय पर दूसरे छोर से कोई बड़ा साथ नहीं मिल सका। सलमान आगा 7 और अब्दुल समद 2 रन बनाकर आउट हुए। अनुभवी शादाब खान और युवा अराफात मिन्हास ने मिलकर पारी को संभालने का प्रयास किया। कप्तान शादाब खान ने 104 गेंदों में 71 रन बनाए, जिसमें 3 छक्के और 1 चौका शामिल था। अराफात मिन्हास ने भी 33 रन बनाये। पाकिस्तान की पूरी टीम 44 ओवर में महज 190 रनों पर आउट हो गई। वहीं ऑस्ट्रेलिया की तरफ से तेज गेंदबाज नाथन एलिस ने 9 ओवर में 33 रन देकर 4 विकेट लिए, जबकि स्पिनर मैथ्यू शॉर्ट ने 3 विकेट लिए।

अपने डेब्यू मैच में ही स्कॉटलैंड के चार्ली ने बनाया था विश्व रिकॉर्ड

लंदन (ईएमएस)। विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक गेंदबाज हुए हैं। इन्हीं में एक एसोसिएट देश स्कॉटलैंड के एक युवा खिलाड़ी चार्ली कैसल भी हैं। चार्ली के नाम अपने डेब्यू एकदिवसीय मैच में एक ऐसा रिकार्ड है जो किसी भी अन्य गेंदबाज के नाम नहीं है। चार्ली विश्व के पहले और एकमात्र ऐसे गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने अपने पहले ही एकदिवसीय मैच में सात विकेट लिए थे। साल 2024 में ओमान के खिलाफ खेले गए अपने करियर के पहले ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में इस तेज गेंदबाज के सामने ओमान के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। चार्ली से पहले अपने डेब्यू मैच में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से दो तेज गेंदबाजों दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा और वेस्टइंडीज के फिडेल एडवर्ड्स के नाम था। इन दोनो ने अपने पहले एकदिवसीय मैच में विरोधी टीम के छह-छह विकेट लिए थे। ये रिकॉर्ड कई साल तब बना रहा जिसे चार्ली ने तोड़ा। इस गेंदबाज ने न सिर्फ इन दोनों दिग्गजों का रिकॉर्ड ध्वस्त किया, बल्कि एक ऐसा नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया जिसे छू पाना आने वाले समय में किसी भी गेंदबाज के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण होगा।चार्ली का यह प्रदर्शन इसलिए भी खास है क्योंकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में, जहां अक्सर नियम बल्लेबाजों के पक्ष में होते हैं और बड़े स्कोर आम बात हो गए हैं, वहां एक नए गेंदबाज द्वारा 7 विकेट लेना किसी चमत्कार से कम नहीं है। स्कॉटलैंड जैसे एसोसिएट देश के लिए यह लम्हा बेहद गर्व का था और इस रिकॉर्ड ने यह साबित कर दिया कि क्रिकेट की दुनिया में ऐसी अप्रत्याशित प्रतिभाएं भी मौजूद हैं जो बड़े मंच पर आकर वैश्विक स्तर पर अपनी छाप छोड़ सकती हैं।

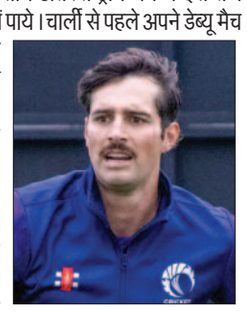

फीफा विश्वकप में खेलते नजर आयेंगे भारतीय मूल के ये चार फुटबॉलर

कोलकाता (एजेंसी)। 11 जून से अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में शुरु हो रही फीफा विश्कपकप फुटबॉल को लेकर दुनिया भर की तरह ही भारत में भी फुटबॉल प्रशंसक उत्साहित हैं।

देश में इसके प्रसारण को लेकर गतिरोध समाप्त होने से भी फुटबॉल प्रशंसक टीवी पर मैच देखने को लेकर उत्साहित हैं। इस बार विश्वकप में भारतीय मूल के चार खिलाड़ी भी खेलते नजर आयेंगे। ये सभी अलग-अलग देशों की ओर से उतर रहे हैं। भारतीय प्रशंसक भी इन सभी को खेलते हुए देखने का इंतजार कर रहे हैं।

इस बार कुल 48 टीमें विश्व कप में हिस्सा ले रही हैं। विश्वकप में खेलने वाले भारतीय मूल के ये फुटबॉलर हैं

तहसीन जमशीद : 19 वर्षीय विंगर तहसीन जमशीद, जिनका जन्म दोहा में हुआ, लेकिन उनकी जड़ें केरल के कन्नूर जिले से जुड़ी हैं। उनके माता-पिता मलयाली हैं वह कतर टीम से खेल रहे हैं। तहसीन को कतर की प्रारंभिक टीम में शामिल किया गया है, और केरल के प्रशंसको को पूरी उम्मीद है कि वह अंतिम टीम में भी जगह बना पाएंगे। तहसीन के पिता भी पूर्व फुटबॉलर रह चुके हैं और उन्होंने कतर के लिए अंडर-17 और अंडर-19 स्तर पर खेला है।

सरप्रीत सिंह : न्यूजीलैंड के लिए खेलने वाले सरप्रीत सिंह पर भी सबकी निगाहें होंगी। 27 वर्षीय सरप्रीत एक अटैकिंग मिडफील्डर हैं, जिनके परिवार का संबंध पंजाब के जालंधर से है। वह 2018 से न्यूजीलैंड की सीनियर टीम के लिए खेल रहे हैं और अब तक तीन महत्वपूर्ण गोल दाग चुके हैं।

सैमुअल मुतुसामी : कांगो की टीम में तमिल मूल के खिलाड़ी सैमुअल मुतुसामी को जगह मिली है। 29 वर्षीय यह डिफेंसिव मिडफील्डर पेरिस में जन्मे हैं, उनकी मां कांगो की हैं जबकि पिता तमिल मूल के इंडो-गुआराडेलूपियन हैं। सैमुअल ने 2019 में कांगो के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था।

निशान वेलुपिल्ले : इस सूची में चौथा नाम निशान वेलुपिल्ले का है, जो ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल हैं। एक विंगर के रूप में खेलने वाले निशान के पिता तमिलनाडु से जुड़े एक मलेशियाई नागरिक हैं, जबकि उनकी मां एंग्लो-इंडियन हैं। यह बात भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए और भी खास है क्योंकि 2006 के बाद यह पहला विश्व कप होगा, जिसमें कोई भारतीय मूल का खिलाड़ी दिखाई देगा।

गौरतलब है कि विश्वकप में अंतिम बार विकास धोरासू ने फ्रांस के लिए खेलकर भारत का नाम रोशन किया था। इन चारों खिलाड़ियों का विश्व कप में शामिल होना भारतीय फुटबॉल के लिए एक नया अध्याय खोलेगा और दुनिया भर के भारतीय फैंस को अपनी जड़ों से जुड़े इन सितारों को समर्थन देने का एक अनूठा अवसर मिलेगा।